डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,बुद्धवार 25 जनवरी,2023 वर्ष–07 / अंक–254 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

आज के युवा गहराई से कम, गूगल से ज्यादा अध्ययन करते हैं

नई दिल्ली नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर से आए युवाओं के एक समूह के साथ बातचीत की. यह कंद्र के श्अपने नेता को जानेश कार्यक्रम का हिस्सा था। पीएम मोदी की युवओं के साथ ये बातचीत बेहद इंट्रेस्टिंग रही. युवाओं को हल्के–फुल्के अंदाज में बेहद गंभीर बातों को पीएम मोदी ने बताया. पीएम मोदी ने बातचीत की शुरुआत में युवाओं से पूछा कि आपने नेताजी के जीवन पर गहराई से अध्ययन किया होगा? हालांकि, आजकल लोग गहराई से कम और गूगल से ज्यादा अध्ययन करते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से पूछा कि कौन यहां मौजूद सबसे ज्यादा लोगों के राज्य और नाम बता सकता है? इसके बाद एक युवा ने कई लोगों के राज्यों का नाम बताया. पीएम मोदी ने कहा कि जब भी हम किसी शख्स से मिलते हैं, तो उसे गंभीरता से लेना चाहिए. उसके बारे में जानने की कोशिश करनी चाहिए. उसका नाम, चेहरा, राज्य आदि को याद रखने की कोशिश करनी चाहिए. जब हम ऐसा करते हैं, तो उससे अगर पांच साल बाद भी मिलते हैं, तो उससे जुड़ी बातों को याद कर अपनेपन का अहसास करा सकते हैं. इससे लोगों को आपसे जुड़ाव महसूस होता है.

उन्होंने पूछा कि नेताजी की वो कौन–सी चीज है, जो आप जीवन में लाना चाहेंगे? इस पर एक युवती ने कहा कि वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस की संगठन क्षमता को सीखना चाहेंगी. नेताजी ने दुनियाभर के भारतीयों को संगठित कर अंग्रेजों से लड़ाई की, वैसे ही हम सभी चाहे वो किसी भी राज्य पंजाब, जम्मू–कश्मीर, केरल, पश्चिम बंगाल से हों, मिलकर देश की समस्याओं से लड़ें. इस युवती ने कहा कि सर मैं 2015 से हर रोज आपसे सपनों में बात करती हूं. आज ये सपना सच हो गया है. इसलिए सपने सभी को देखने चाहिए. मेरा सपना आज पूरा हो गया. मैं आपके सामने हूं.ष

पीएम मोदी ने युवाओं से पूछा कि आज आप जिस सेंट्रल हॉल में बैठे थे, क्य्या उसका महत्व्य और इतिहास जानते हैं? इस सवाल के जवाब में एक लॉ स्टूडेंट ने कहा, ष्सर, देश के लिए यह बेहद महत्व्यपूर्ण स्थान है, क्य्योंकि यहीं भारत का संविधान तैयार हुआ था. एक लॉ स्टूडेंट होने के नाते मेरे लिए यह बेहद महत्व्य रखता है.ष्पीएम मोदी ने बताया कि आप लोग सेंट्रल हॉल कि जिन सीटों पर बैठे थे, उन पर कोई न कोई महापुरुष बैठे थे, जो संविधान बनाकर गए हैं. आपको यह महसूस हो रहा था?

जनप्रतिनिधियों से CM योगी ने किया संवाद,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सांसद–विधायक अपने क्षेत्र के औद्योगिक विकास को रफ्तार देने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि लखनऊ आधुनिक नगरीय विकास का मानक बन रहा है। डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड में उद्योग लगाने के लिए बड़ी कंपनियां आगे आ रही हैं। वे सोमवार को सीएम आवास पर लखनऊ मंडल के लखनऊ, हरदोई और उन्नाव के सांसदों और विधायकों की बैठक में बोल रहे थे।

सीएम ने तीनों जिलों के सांसदों–विधायकों से उनके क्षेत्र के आवश्यक विकास और समस्याओं के निस्तारण पर बात की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर उन्हें गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराने में सक्रिय भूमिका निभाने और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए सांसदों को पांच करोड़ और विधायकों को तीन करोड़ रुपये के प्रस्ताव देने के निर्देश दिए। कहा कि जनप्रतिनिधि ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के मद्देनजर जिलों में भी निवेश सम्मेलन कर निवेशकों से निवेश कराएं। सरकार ने मातृभूमि योजना की शुरुआत की है। अब कोई भी अपने गांव और शहर के विकास में सीधी भागीदारी कर सकता है। प्रदेश के हर जिले में निवेश आ रहा है। लखनऊ, उन्नाव और हरदोई हर सेक्टर के लिए अवसर हैं। इस पूरे क्षेत्र में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, टेक्सटाइल, जैव ईंधन और सौर ऊर्जा सहित हर सेक्टर के लिए अपार अवसर हैं।

मदनेपुर में 11 कुंडली श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ भूमिपूजन

जालौन विकासखंड कुठौंद की ग्राम पंचायत मदनेपुर में 11 कुंडी श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का 23 जनवरी दिन सोमवार को बड़े ही धूमधाम के साथ भूमि पूजन किया गया भूमि पूजन में पंडित राजीव कांत त्रिपाठी श्री धाम बृंदावन एवं रामकृष्ण पांडे ने इस विशाल यज्ञ का भूमि पूजन करवाया 11 कुंडीय श्री रूद्र महायज्ञ के आयोजक श्री बृजेंद्र सिंह बालाजी सेवा समिति मदनेपुर तथा परीक्षत राम आश्रम फोजी एवं भूमि पूजन में सम्मिलित बीर सिंह चौहान, लल्ला बाबू सिंह चंदेल, शिशुपाल सिंह चंदेल नबासी, श्यामजी सिंह सिसोदिया एवं उपस्थित समस्त ग्रामवासी ब क्षेत्र बासी।

गला रेतकर वृद्ध की हत्या कर खेत में फेंका शव

कन्नौज। सौरिख थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर खेत में एक वृद्ध का शव पड़ा मिला। वृद्ध की गला रेत कर हत्या की गई है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। उधर वारदात के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की घटनास्थल पर भीड़ जुट गई। बेटा की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही बाप बेटा पर रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। राजापुर गांव निवासी रामपाल राठौर (60) पुत्र सोनेलाल रविवार को बैलगाड़ी से ईशन नदी से बालू भरने गए । बेटा जितेंद्र के वापस आने में देरी होने से साइकिल से नदी पर जा रहा था । तभी रास्ते में गांव निवासी सुरजीत सिंह यादव पुत्र लज्जाराम ने अपने बेटे रजत के साथ मिलकर दबोच लिया और गले पर कुल्हाड़ी से कई प्रहार कर हत्या कर दी। पुत्र ने वापस आकर देखा तो गांव निवासी स्वयं प्रकाश यादव के खेत में सरसों की फसल में पिता का शव एवं बगल में साइकिल पड़ी देख होश उड़ गए। और बैलगाड़ी छोड़कर गांव की तरफ सीखते हुए भाग दिया और गांव पहुंचकर घटना से परिजनों सहित अन्य ग्रामीणों को अवगत कराया। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और इलाके में हड़कंप मच गया । वही सैकड़ों की संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए । सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह ने शव को कब्जे में लेकर बेटा जितेंद्र की तहरीर पर दोनों पर रिपोर्ट दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम को भेजने से नाराज महिलाओं ने सौरिख छिबरामऊ रोड जाम करते हुए हत्या अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग शुरू कर दी । जाम की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ पैर फूल गए और काफी समझाने एवं एक युवक को हिरासत में लेने पर महिलाओं ने लगभग 1 घंटे बाद जाम खोला। तब तक वाहनों की लंबी लाइनें लग चुकी थी।

संस्कार भारती की चिंतन बैठक नागपुर में संपन्न

संस्कार भारती साहित्य विधा की अखिल भारतीय चिंतन बैठक दिनांक 21 जनवरी तथा 22 जनवरी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माधव भवन, रेशिमबाग, नागपुर में संपन्न हुई।इस बैठक में पूरे भारत से संस्कार भारती के अखिल भारतीय पदाधिकारी, लगभग 50 साहित्यकार, प्रांत संयोजक, सह संयोजक एवं स्थानीय कार्यकर्ता सम्मिलित हुए हैं।यह बैठक अपने आप में अनूठी, ज्ञानवर्धक, नए आयामों के साथ कार्य करने की दृष्टि प्रदाता रही। साथ ही साहित्यकारों के द्वारा राष्ट्र के हित में एक प्रबुद्ध कर्मयोगी के रूप में सान्निध्य तथा तादात्म्य स्थापित करने वाली है।इस चिंतन बैठक के संयोजक माननीय आशुतोष आडवाणी ने बड़ी कुशलता के साथ में दो दिवसीय बैठक का कुशलता के साथ संचालन किया। इस अवसर पर अनेक प्रबुद्ध वक्ताओं के वक्तव्य अत्यंत सारगर्भित और राष्ट्र में समरसता की भावना को बढ़ाने के लिए तथा राष्ट्र गौरव को उन्नत बनाने के लिए मार्ग प्रशस्त करने वाले रहे। चिंतन बैठक की उद्घाटन सत्र की अध्यक्षा आदरणीय कांचन ताई गडकरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि नागपुर में सभी साहित्यकारों का स्वागत है और आश्वासन दिया कि इस तरह के कार्यक्रम होते हैं तो हमारा पूरा सहयोग आपको सदा मिलता रहेगा। अपने बीज वक्तव्य में डॉ.रवींद्र भारती ने बताया कि साहित्य जितना पहले प्रासंगिक था उससे कहीं अधिक आज प्रासंगिक है। समाज में बदलती मान्यताओं को पुनरुस्थापित करने के लिए इसकी बहुत आवश्यकता है। साहित्य साधना के द्वारा हमें राष्ट्र जागरण करना है।द्वितीय सत्र की अध्यक्षता करते हुए संस्कार भारती के मार्गदर्शक और वरिष्ठ प्रचारक मा० बांकेलाल जी ने साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बताया कि साहित्य व्यक्ति परक न होकर समाज परक होता है। इसलिए हमें समाज के हित का सबसे पहले ध्यान रखना चाहिए।चिंतन बैठक में अनेक महानुभाव, साहित्यकार, प्रचारक, पदाधिकारी उपस्थित थे। उनमें उत्तर क्षेत्र प्रमुख मा० बवलानी जी, प्रसिद्ध कवि कमलेश मौर्य, कला कुंज भारती पत्रिका के संपादक श्री पद्मकांत शर्मा प्रभात, कोंकणी भाषा से संबद्ध डॉ० भूषण भावे, डॉक्टर नैना ताई आदि की सारगर्भित प्रस्तुति रही, जिन्हें सभी श्रोताओं ने बहुत सराहा।अखिल भारतीय संस्कार भारती साहित्य के संयोजक मा० आशुतोष आडोनी अपने वक्तव्य में बताया कि हमारे देश में साहित्य पर सदा ही वैचारिक आक्रमण होते रहे हैं, आज उन्हें संतुलित व संशोधित करने की बहुत जरूरत है।मा० राघवेंद्र नायकवाड ने बताया कि भारत की सभी मान्यता प्राप्त 22 भाषाओं की अपनी अपनी स्वतंत्र सत्ता है। इसलिए किसी भी भाषा के साहित्य का दूसरी भाषा के साहित्य से तुलना नहीं करनी चाहिए।विदर्भ प्रांत से पधारे साहित्यकार मा० विवेक कोठेकर ने बताया कि प्रचार–प्रसार में साहित्य विधा की भूमिका अहम है। समापन सत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय मंत्री परम विद्वान और ओजस्वी वक्ता मा० मुकुल कानीटकर ने अपने वक्तव्य में बताया कि आज के युवाओं को जो मार्ग स्वामी विवेकानंद ने प्रशस्त किया है वह प्रशंसनीय है। हमें अपने साहित्य के मंतव्य को सदा स्मरण रखना चाहिए।आचार्य अनमोल संयोजक साहित्य विधा, संस्कार भारती, दिल्ली प्रांत।

समाजवादियों ने सपा छोड़ भाजपा का थामा दामन ली सदस्यता

हसेरन। समाजवादी पार्टी मे समाजवादियों का सपा छोड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। सपा छोड़ भाजपा का दामन थाम रहे है। भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ी। विकासखंड क्षेत्र के राजपुर ग्राम मे समाजवादी पार्टी के हसेरन ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप प्रजापति व पूर्व प्रधान रमेश चंद प्रजापति के साथ सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को अपनाया। सपा छोड़कर भाजपा पार्टी में शामिल हुए। सपा छोड़ भाजपा में शामिल हुए लोग सर्वेश , कृपाशंकर , हरिओम , पूरनलाल , देशराज , रामसेवक , दीपू बैस ,मोहनलाल , ग्राम प्रधान फूलपुर सुभाष शर्मा , उस्मान खान , वीरेंद्र पाल , खेताराम कठेरिया सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल होकर सदस्यता ली । तिर्वा विधायक कैलाश राजपूत ने भाजपा में शामिल हुए सभी सदस्यता दिलाई। सपा छोड़ भाजपा में शामिल हुए लोगों का फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत सम्मान समारोह किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हसेरन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पुष्पेंद्र शाक्य , क्षेत्रीय मंत्री नंदलाल बाथम , मंडल अध्यक्ष आलोक कांत चतुर्वेदी के समक्ष सभी ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

गणतंत्र दिवस पर स्वदेशी का संदेश देगी थलसेना, सिर्फ मेड इन इंडिया उपकरणों का होगा प्रदर्शन

इस साल भारत की थलसेना गणतंत्र दिवस परेड में स्वदेशी का संदेश देती नजर आएगी। दरअसल, सेना की तरफ से एलान किया गया है कि इस बार परेड में लाए जाने वाले सभी उपकरण श्मेड इन इंडियाश होंगे। यहां तक कि 21 बंदूकों की सलामी भी भारत में बनी 105 एमएम की इंडियन फील्ड गन्स से दी जाएगी। इतना ही नहीं सैन्य हथियारों में इस्तेमाल होने वाले गोला–बारूद भी भारत में ही बने हैं।

इस साल गणतंत्र दिवस पर 25पाउंडर बंदूकों वाली पुरानी तोपों के बजाय नए 105 एमएम इंडिन फिल्ड गन से राष्ट्रीय ध वज को 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। यह फैसला सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल को और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लिया है। दिल्ली क्षेत्र के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल भावनीश कुमार ने बताया कि हम स्वदेशीकरण की ओर जा रहे हैं और वह समय दूर नहीं जब सभी उपकरण स्वदेशी होंगे।

दरअसल, 2281 फिल्ड रेजीमेंट की 1940 के शुरुआत में निर्मित सात तोपों से राजपथ (अब कर्तव्य पथ) पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में सलामी देने के लिए गोले दागे जाते थे। इनका निर्माण ब्रिटेन में हुआ था और इन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध में हिस्सा लिया था। उन्होंने बताया कि 1972 में 105 इंडियन फिल्ड गन को डिजाइन किया गया था और गन कैरेज फैक्टरी जबलपुर और फिल्ड गन फैक्टरी कानपुर में इनका निर्माण होता है और वर्ष 1984 से ही ये सेवा में है। मिसाइल टुकड़ी का नेतृत्व करेंगी महिला अधिकारी भारतीय सेना की महिला अधिकारी इस साल गणतंत्र दिवस परेड में मिसाइल टुकड़ी का नेतृत्व करने के साथ–साथ डेयरडेविल्स के रूप में मोटरसाइकिलों पर सवार होंगी। सिग्नल कोर की लेफ्टिनेंट डिंपल भाटी भारतीय सेना की डेयरडेविल्स मोटरसाइकिल टीम का हिस्सा होंगी। महिला अधिकारी पिछले एक साल से दल के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं।

जोधपुर की रहने वाली भाटी ने कहा कि वह पिछले एक साल से जबलपुर केंद्र से अपनी टीम के साथ विभिन्न शो और कार्यक्रमों में भाग ले रही हैं। एक अन्य महिला अधिकारी, लेफ्टिनेंट चेतना शर्मा, इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में श्मेड इन इंडियाश आकाश, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का नेतृत्व करेंगी। उन्होंने कहा कि वह हर साल टीवी पर परेड देखकर उसमें हिस्सा लेना चाहती थीं और इस साल उनका सपना पूरा हो रहा है।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित जन जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

कौशाम्बी जिलाधिकारी श्री सुजीत कुमार द्वारा आज राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पीसीपीएनडीटी अधि नियम–1994 के अन्तर्गत आयोजित जनपद स्तरीय जन जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से पी0एच0सी0 मंझनपुर तक निकाली गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुषेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने कौशाम्बी इन्वेस्टर्स समिट का दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारम्भ

कौशाम्बी जिलाधिकारी श्री सुजीत कुमार द्वारा डायट मैदान में आयोजित कौशाम्बी इन्वेस्टर्स समिट–2023 कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ तथा निवेशकों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनपद कौशाम्बी के लिए आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा इन्वेस्टर्स पॉलिसी लागू की गई है तथा आगामी 11 व 12 फरवरी को लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जनपदों में भी इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने के निर्देश दिये गये थे। उन्होंने कहा कि कौशाम्बी एक कृषि प्रधान जनपद है, किसी क्षेत्र का विकास तभी होगा, जब उस क्षेत्र में उद्योग की स्थापना होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा प्रदेश में कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसका परिणाम है कि प्रदेश में निवेश का बहुत ही अच्छा माहौल बना है तथा निवेशकों द्वारा प्रदेश में बड़े पैमानें पर निवेश किये जा रहें हैं।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद कौशाम्बी में उद्योग की अपार सम्भावनायें हैं, अन्य जनपदों के सापेक्ष उद्योग की स्थापना के लिए जमीन सस्ती है व आसानी से मिल जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह उद्योग एवं व्यापार बन्धु की बैठक में उद्यमियों की बैंक सहित अन्य समस्याओं का समाधान करने का निरन्तर कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा जनपद को 300 करोड़ निवेश के लक्ष्य दिये गये थे, जिसके सापेक्ष अभी तक 617 करोड़ निवेश के प्रस्ताव निवेशकों द्वारा प्राप्त हो चुकें हैं। उन्होंने कहा कि आगामी कुछ दिनों में प्रयास कर निवेश के प्रस्ताव को एक हजार करोड़ तक पहुँचाने का लक्ष्य हैं। उन्होंने कहा कि निवेशको को शासन द्वारा उपलब्ध करायी जा रहीं सभी सुविधाओ को उपलब्ध करायी जायेंगी। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा भी उद्योग की स्थापना के प्रॉसेस को पूरी तरह से सरल किया गया है, सिंगल विन्डो सिस्टम द्वारा सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करायी जा रहीं है, मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा लगातार इसकी मॉनीटरिंग भी की जा रहीं है। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि आप के द्वारा जनपद में किया गया निवेश पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि जनपद कौशाम्बी में अधिक से अधिक उद्योगों की स्थापना के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है, उद्योग की स्थापना से जनपदवासियों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

उपायुक्त उद्योग श्री एसएसिद्दीकी द्वारा उ0प्र0 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम नीति–2022 सहित जनपद कौशाम्बी में औद्योगिक आस्थानों की स्थापना के लिए की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी गई। जनपद में अब तक निवेशकों द्वारा कुल रू0–617 करोड़ निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

ए0जी0एम0, एस0बी0आई0 ने एस0बी0आई0 बैंक द्वारा उपलब्ध करायी जा रहीं लोन की सुविधा सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दी। श्री रमेश अग्रहरि एवं श्री प्रवेश केसरवानी सहित अन्य उद्यमियोद्द व्यापारियों में भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं से सम्बन्धित लगायी गई स्टॉलों का अवलोकन किया तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार परक ऋण योजनाओं– पी0एम0ई0जी0पी0, एम0वाई0एस0वाई एवं ओ0डी0ओ0पी0 से लाभान्वित के कुल 17 लाभार्थियां को प्रमाण पत्रब्डमी चेक वितरित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

बीच सड़क में खराब हुआ गन्ने का ट्रक, छह घंटे तक लगा रहा जाम

पिहानी से धोबिया ,खटेली, कुल्लहा, पिसावा, , मिश्रिख, महोली राष्ट्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर करने वाले यात्रियों को उठानी पड़ी परेशानी पिहानी से कुल्लावर मार्ग गन्ने से भरा ट्रक मार्ग के बीचोबीच खराब हो गया, जिससे मार्ग पर जाम लगा गया। इससे मार्ग पर छह घंटे तक जाम की स्थिति रही। बाद में मैकेनिक को बुलवाकर ट्रक ठीक कराया गया। आए दिन ट्रकों व अन्य वाहनों के पटे जर्जर रास्ते के कारण टूटते है। पिहानी से बूढ़ा गांव धोबिया खटेली कुल्लाहवर घाट मार्ग अत्यंत दयनीय स्थिति में है। धोबिया गांव के निकट डीएससीएल मिल गन्ना ले जा रहा ट्रक सड़क के बीच में खराब हो गया। इससे सड़क पर जाम लग गया।ट्रक खराब होने से मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी–लंबी कतारें लग गई। लोग इधर–उधर से निकलकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। लगभग 4 किलोमीटर तक की ट्रकों की लंबी कतारें लग गई। इससे मार्ग पर छह घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। बाद में मिस्त्री को बुलाकर ट्रक को ठीक कराया गया। इसके बाद रास्ते से ट्रक हटाकर आवागमन सुचारू कराया गया।

जिलाधिकारी ने उ0प्र0 दिवस के मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रधानों व सचिव, ग्राम पंचायतों एवं प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

कौशाम्बी जिलाधिकारी श्री सुजीत कुमार ने उ0प्र0 दिवस के अवसर पर उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समूह सखी के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाली– राधा देवी, सीमा देवी एवं समीमा बॉनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार बैंक सखी के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाली–ज्योति भारती, पिंकी देवी, मंजू देवी एवं नीलम देवी तथा ब्लॉक मिशन मैनेजर के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्री आशुतोष कुमार व जयप्रकाश सिंह व जिला मिशन मैनेजर के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए श्री दिब्यांशू सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 17 ग्राम प्रधानों व मनरेगा के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों एवं 32 सचिव, ग्राम पंचायतों तथा कुल 06 प्रगतिशील किसानों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने उ0प्र0 दिवस के उपलक्ष्य में जनपद के प्रत्येक विकास खण्डों में माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयां में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विकास खण्ड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रमाण–पत्र एवं मोमेण्टों देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि 24 जनवरी को उ0प्र0 की स्थापना के रूप में उ0प्र0 दिवस मनाया जाता हैं तथा 24 जनवरी को ही प्रदेश का नाम युनाइटेड प्रॉविसेंस के स्थान पर उ0प्र0 रखा गया था। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार उ0प्र0 दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन मानस को दी जाती है तथा योजनाओं को धरातल पर उतारने वाले कार्मिकों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 निरन्तर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है, सरकार द्वारा प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों को लाभान्वित कर सक्षम बनाया जा रहा है तथा जनपद में अधिक से अधिक निवेशकों द्वारा निवेश किया जाय, इस पर निरन्तर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में विभिन्न विभागों द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभायी जा रही है, इसी श्रृखला में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह की भी महती भूमिका है। किसान, कृषि के माध्यम से देश व प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों से कहा कि पूरी लगन के साथ पढाई कर देश, प्रदेश व जनपद का नाम रोशन करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, जिला विकास अधिकारी श्री विजय कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री बालगोविन्द श्रीवास्तव एवं जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री अजीत प्रताप सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शहर में सुभाष चन्द्र बोस राष्ट्रीय विचार केंद्र के तत्वाधान में निकली नेताजी सम्मान यात्रा

जनपद अयोध्याअयोध्या नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शहर में निकली नेताजी सम्मान यात्रा,सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय विचार केंद्र ने निकाली यात्रा, यात्रा में सभी दल व सभी संस्थान के लोग रहे मौजूद,चौक से निकली सम्मान यात्रा नगर निगम परिसर में स्थापित नेता जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर समाप्त हुई यात्रा,नेताजी को राष्ट्रपुरुष घोषित करने की मांग, 23 जनवरी को राष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग, अयोध्या में किसी चौराहे पर नेताजी की आदम कद प्रतिमा लगाने की मांग।

सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय विचार केंद्र के अध्यक्ष शक्ति सिंह का बयान,मुखर्जी आयोग ने पहले ही किया है साबित, ताइवान प्लेन क्रैश कोई दुर्घटना नहीं हुई, पाठ्यक्रम से नेताजी की मौत को निकालकर सरकार दुनिया के सामने लाए वास्तविकता, अयोध्या के राम भवन में रहते थे गुमनामी बाबा, गुमनामी बाबा को ही माना जाता है नेताजी सुभाष चंद्र बोस।

एडीजीपी श्री श्रीकांत जाधव साहब के दिशानिर्देशों से हो रहे जागरूकता कार्यक्रम

यमुनानगर। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो प्रमुख एवं अम्बाला मंडल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलाहर में एक दिवसीय 46वां नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रयास यमुनानगर के प्रधान सरदार त्रिलोचन सिंह की अध्यक्षता और विद्यालय के प्राचार्य राज कुमार शर्मा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम पूर्ण हुआ। जागरूकता कार्यक्रम में हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में पधारे हुए थे। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि आज युवा नशे की चपेट में फंसकर अपने जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं और असमय मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। यह नशा स्वापक औषधि और मनरूप्रभावी वस्तु का मनुष्य को भीतर ही भीतर खोखला कर रहे हैं और समय से पूर्व युवावस्था में ही वृद्ध पिता को युवा पुत्र की अर्थी को कन्धा देने के लिए विवश कर रहे हैं। अब हरियाणा में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो नशे को समाप्त करने के लिए हर प्रकार से कार्य कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को ब्यूरो का हेल्पलाइन नंबर 9050891508 बताया और कहा कि इस पर बिना भय के गुप्त सूचनाएं दें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वर्मा ने सबन्हि से शपथ ग्रहण करवाई और गाँव में नशे के विरुद्ध एक पैदल जागरूकता यात्रा निकाली गई। प्रयास यमुनानगर के प्रधान त्रिलोचन सिंह ने पैदल जागरूकता यात्रा को झंडी देकर प्रस्थान करते हुए कहा कि नशे को समाप्त करने में सभी के सहयोग की आवश्यकता है। इस अवसर पर शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दमकल कर्मियों एवं रूरा पुलिस ने हाइड्रा तथा ग्रामीणों की मदद से कुएं में गिरे एक गोवंश को सुरक्षित बाहर निकाला

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के भटौली गाँव के पास कोल्डस्टोरेज के पीछे वाले खेत में गहरे कुए में आवारा गोवंश के गिरजाने से काफी भीड़ इक्कठा हो गई। गाँव के अनिल बाजपेई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा व ग्रामीणों की मदद से गोवंश को बाहर निकाला।विवार को एक गोवंश घूमता हुआ गांव के ही एक किसान के खेत में चरते हुए पहुंच गया। वह खेत में बने लगभग चालीस फुट गहरे कुएं में गिर गया। इसके कुएं में गिरने की सूचना पर मौके पर सैकड़ों लोग जमा हो गए। मामले की सूचना पर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार को हुई उन्होंने तुरंत आनन फानन में मौके पर पहुँचकर फायर टीम को बुलवाया व कस्बा ने बन रहे ओवर ब्रिज के जेई राहुल श्रीवास्तव को फोन करके हाइड्रा को मगवाया। साथ ही गांव के ही दो युवकों ने कुएं में उतरकर गोवंश को रस्सों से बांध दिया और हाइड्रा की मदद से ऊपर आ गए। कुएं से बाहर निकलने पर कस्बा स्थित पशु अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने उसका उपचार किया। और वह सीधा खड़ा होकर भाग निकला। गोवंश को सुरक्षित कुए से निकालने व घटना में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार एवं वरिष्ठ उपनिरीक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव एवं अन्य पुलिसकर्मियों तथा दमकल कर्मियों की सक्रियता की गाँव के लोगो ने जमकर की तारीफ की। वही थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर हाइड्रा व गाँव के लोगो की मदद से गोवंश को सुरक्षित कुए से निकाल लिया गया है।

जलालपुर ने जेबा स्पोर्टिंग क्लब मंझनपुर को हराया ,दूसरे मैच में अब्बासिया क्रिकेट क्लब ने टाइगर क्रिकेट क्लब को शिकस्त दी

कौशाम्बी अहमद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल का तीसरा और चौथा मैच खेला गया जिसमें 3 मैच जलालपुर क्रिकेट क्लब जलालपुर व जेबा स्पोर्टिंग मंझनपुर के बीच खेला गया जिसमें जलालपुर ने पहले खेलते हुए जेबा स्पोर्टिंग मंझनपुर के सामने निर्धारित 12 ओवर में 144 रन बनाएं। जिसमें रिशु ने 24 रन अंकित28 रन शेनु 25 रन व मंगल ने 21 रन नॉट आउट की पारी खेली जवाब में जेबा स्पोर्टिंग मंझनपुर कुल 58 रन ही बना सकी मैच जिसमे रवि ने अपनी टीम के लिए 14 का योगदान दिया जलालपुर की तरफ से रिशु ने 4 विकेट लिए और उन्हें मैन आफ द मैच का पुरस्कार से सम्मानित किया गया दूसरा मैच अब्बासिया क्रिकेट क्लब और टाइगर क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया जिसमें अब्बासिया क्रिकेट क्लब ने पहले खेलते हुए निर्धारित 12 ओवरों में 148 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया जिसमें गोलू ने 39 जुल्फिकार ने 39 अरमान ने 29 रन नॉट आउट बनाएं अब्बासिया क्रिकेट क्लब ने 5 विकेट खो कर 148 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया जवाब में उतरी टाइगर क्रिकेट क्लब ने 12 ओवर में 8 विकेट खोकर 118 रन ही बना सकी समीर ने 38 रन और मुकेश ने 28 रन का योगदान दिया नदीम धनंजय रोहित अदनान ने दो–दो विकेट लिए इस तरह जुल्फिकार को मैन ऑफ द मैच में मिला।

समाजवाद के सच्चे साधक थे पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर

प्रयागराज। महान समाजवादी नेता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कर्पूरी ठाकुर एक सच्चे समाजवादी नेता एवं सादगी के प्रतीक थे। उन्होंने डॉ लोहिया, जय प्रकाश नारायण जी सहित समाजवाद के अग्रणी नेताओं के साथ मिलकर देश की आजादी की लड़ाई में कई बार जेल की यातनाये सही, आम आदमी के चेहरे पर खुशहाली के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे। महानगर समाजवादी पार्टी के कैम्प कार्यालय कचहरी में आज स्व कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर फूल माला अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उनके पद चिन्हो पर चलने का संकल्प भी लिया। समाजवादी चिंतन शिविर माघ मेला में भी स्व ठाकुर की जयंती मनाई गई।

इस मौके पर सर्व श्री निवर्तमान महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण मूर्ति सिंह यादव,नि.प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह,निवर्तमान महानगर महासचिव रविन्द्र यादव एडवोकेट, पूर्व प्रवक्ता दान बहादुर मधुर, आर. एन. यादव,मो अस्करी,इंजी. विक्रम यादव, कुलदीप यादव,अवधेश आनंद,लल्लन पटेल, मो हामिद, मो सऊद, जय भारत यादव, विशाल निषाद, अमित यादव, सचिन श्रीवास्तव, संतलाल वर्मा, वकार अहमद एडवोकेट,आदि मौजूद रहे।

समाजवाद के सच्चे साधक थे पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर द्द

प्रयागराज। महान समाजवादी नेता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कर्पूरी ठाकुर एक सच्चे समाजवादी नेता एवं सादगी के प्रतीक थे। उन्होंने डॉ लोहिया, जय प्रकाश जी सहित समाजवाद के अग्रणी नेताओं के साथ मिलकर देश की आजादी की लड़ाई में कई बार जेल की यातनाये सही, आम आदमी के चेहरे पर खुशहाली के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे। महानगर समाजवादी पार्टी के कैम्प कार्यालय कचहरी में आज स्व कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर फूल माला अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उनके पद चिन्हो पर चलने का संकल्प भी लिया। समाजवादी चिंतन शिविर माघ मेला में भी स्व ठाकुर की जयंती मनाई गई।

इस मौके पर सर्व श्री निवर्तमान महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण मूर्ति सिंह यादव,नि.प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह,निवर्तमान महानगर महासचिव रविन्द्र यादव एडवोकेट, पूर्व प्रवक्ता दान बहादुर मधुर, आर. एन. यादव,मो अस्करी,इंजी. विक्रम यादव, कुलदीप यादव,अवधेश आनंद,लल्लन पटेल, मो हामिद, मो सऊद, जय भारत यादव, विशाल निषाद, अमित यादव, सचिन श्रीवास्तव, संतलाल वर्मा, वकार अहमद एडवोकेट,आदि मौजूद रहे।सैयद मो अस्करी, निवर्तमान महानगर मिडिया प्रभारी प्रयागराज

यात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े पूरे सहयोग मे लगे रहते है

प्रयागराज माघमेला मे सिविल डिफेन्स के नियन्त्रक जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सिविल डिफेन्स के उपनियन्त्रक नरेन्द्र शर्मा चिफ वार्डेन अनिल गुप्ता ए डि सी राकेश तिवारी शादिक सिद्की जी के आदेशा अनुसार सभी अधिकारी पदाधिकारियों के साथ पूरे मेला छेत्र मे स्वयमसेवक हर घाटो रेलवे स्टेशन बस स्टेशन सार्वजनिक स्थलो पर सुबह से तीन पाली मे तैनात रहते है यात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े पूरे सहयोग मे लगे रहते है वही सिविल डिफेन्स के डिप्टी डिविजनल वार्डेन नगर राजेन्द्र कुमार तिवारी दुकानजी लोगों को स्टेशन को साफ स्वच्छ कोरोना जैसे महामारी से बचने के लिये मास्क वितरण पालिथिन का प्रयोग न करें गंगा को प्रदूषण से बचाये रखनें के लिए उसमे माला फूल हवन सामग्रि या अन्य कोई भी सामग्री न डाले स्लोगन लिखे परिधान पहनकर घूम घूम कर जागरूक करने के साथ भीड़ को नियंत्रित करने मे सहयोग मे स्वयसेवको ने अपनी डियूटी बाखुबी निभाते आ रहे है लोगों मे काशी नाथ सोनकर राजेश पाठक जितेन्द्र सिंह प्रिन्स बिन्द कृष्ण कुमार पाठक सर्वेश त्रिपाठी अतुल कुशवाहा शिशिर मिश्रा बिमला देवी पूनम तिवारी इन्द्र मणि अनिल त्रिवेदी रविन्द्र के अलावा अनेकों स्वयसेवक डियूटी पर तैनात रहे यह जानकारी प्रेस को दुकानजी ने दिया

देश को आगे ले जाने में उत्तर प्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है-मण्डलायुक्त

जिला पंचायत परिसर में मंगलवार को तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन का मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि भी उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश दिवस–2023 की थीम ''निवेश और रोजगार'' है। आयोजित कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनी, संगोष्ठी, उद्यमी सम्मेलन, विविध सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के आरम्भ में जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी के ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के संदेश की वीडियो क्लिप को भी दिखाया एवं सुनाया गया।

इस अवसर पर लोगो को सम्बोधित करते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि उत्तर प्रदेश जनसंख्या, क्षेत्रफल, आर्थिक, सांस्कृतिक विविधता के मामले में किसी बड़े देश से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और देश को आगे ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां पर विभिन्न क्षेत्रों में विकास की अपार सम्भावनाएं विद्यमान है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने कानून व्यवस्था के क्षेत्र में, अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में, अवसंरचना के विकास क्षेत्र में बहुत तीव्रगति से प्रगति किया है। आज प्रदेश में सड़कों का जाल बिछ रहा है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने लोगो से आह्वाहन करते हुए कहा कि हम सभी लोग उत्तर प्रदेश के विकास में अपने दायित्वों व कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए विकास में सहभागी बनें।इस अवसर पर जिला पंचायत परिसर में उत्तर प्रदेश की संरचना एवं विकास तथा उसका इतिहास, पाण्डुलिपि संपदा प्रदर्शनी, पर्यटन विभाग, कृषि विभाग, डूडा, होम्योपैथिक, मत्स्य पालन विभाग, पंचायतीराज विभाग, अग्निशमन विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, एक जनपद एक उत्पाद विभाग, युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग, यूपीनेडा, उद्यमियों, व्यवसायियों व स्वयं सहायता समूहों के द्वारा उत्पादोंध्संचालित योजनाओं की लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने एक–एक विभागों के स्टॉलों पर जाकर योजनाओं एवं उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार करने के लिए कहा, जिससे लोगो को योजनाओं के बारे में जानकारी हो सके तथा वे उसका लाभ उठा सके। मण्डलायुक्त के साथ जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि ने भी लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।प्रदर्शनी में कृषि विभाग के द्वारा प्रदर्शित किए गए कोदो, सांवा, कुटकी, चेना, रामदाना, कुट्टू, ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी के बारे में व उनसे बने उत्पादों तथा पंचगव्य, बीजामृत, जीवामृत तथा संजीवक, अग्नेयास्त्र, नीमास्त्र आदि के बारे में जानकारी ली। मत्स्य पालन विभाग के स्टॉल पर मछलियों को दिए जाने वाले फूड, पानी के ऑक्सीजन लेवल, पीएच लेवल व विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी ली। स्वयं सहायता समूहों के द्वारा बनाये गये एलोवेरा जूस, टॉयलेट क्लीनर, मसाले, शहद, हैण्डवास, रेडीमेट गारमैंट, मूंज उत्पाद, आचार, मुरब्बा, खिलौना, आचार, दलिया, शैम्पू, तेल आदि के बारे में जानकारी लेते हुए खरीददारी भी की तथा पैकिंग गुणवत्ता को बढ़ाये जाने का सुझाव दिया। एक जनपद एक उत्पाद के तहत बनाये गये उत्पादों के फिनिशिंग पर विशेष ध्यान दिए जाने का सुझाव दिया। यूपीनेडा के द्वारा सोलर सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं के शपथ पत्र पर हस्ताक्षर भी किए। बृज बिहारी इण्टर कालेज की छात्राओं तथा लोक गायिका रागिनी चन्द्रा द्वारा अपनी प्रस्तुती दी गयी। इस अवसर पर परियोजना निदेशक श्री अशोक कुमार मौर्य, जिला विकास अधिकारी श्री भोलानाथ कनौजिया, उप निदेशक कृषि श्री विनोद कुमार, पाण्डुलिपि अधिकारी श्री गुलाम सरवर सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

दौना में खोली गई भीमशाला और बुद्धशाला

प्रयागराज बारा 24 जनवरी, प्रबुद्ध फाउंडेशन के तत्वाधान में प्रयागराज के यमुनापार की बारा तहसील के घूरपुर थाना अंतर्गत आने वाली ग्राम सभा दौना में पांच से पन्द्रह साल के बच्चों के सृजनात्मक, कलात्मक और व्यक्तित्व विकास के साथ ही साथ उनके शैक्षिक विकास के लिए भीम पाठशाला व बुद्धशाला का उद्घाटन प्रबुद्ध फाउंडेशन के प्रबंधकध्सचिव उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने किया। यह भीमशाला व बुद्धशाला प्रत्येक रविवार को दोपहर 12रू00 से अपराह्न 2रू00 बजे तक दौना की ही स्नातक छात्रा महिमा संचालित करेगी। महिमा के संचालन मे यह शाला प्राथमिक से लेकर मैट्रिक तक के बच्चों का सामाजिक, सांस्कृतिक के साथ–साथ उनका शैक्षिक विकास किया जाएगा। इस पाठशाला द्वारा निश्चित ही बच्चों के सर्वांगीण विकास होगा। बच्चों की सफलता व उच्चतम शिखर पर पहुंचाने के लिये बच्चों का अपने परिवार का अपने गांव का अपना व अपने परिवार, जिले तथा देश का नाम रोशन करने की कामनाओं के साथ बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामनाये दी। इस भीमशाला में रामनरेश, रामानंद, फूलचंद, पिंटू, राजबहादुर, अमर बहादुर, शंकर, रमाशंकर, धीरज, श्याम बाबू जैसे दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश वैश्विक नगर अभियान के सम्बंध में अधिशाषी अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में उत्तर प्रदेश वैश्विक नगर अभियान के सम्बंध में अधिशाषी अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी, जिसमें जिलाधिकारी ने प्रत्येक अधिशाषी अधिकारियों से अपने–अपने क्षेत्रों में रूटीन से हटकर नये कराये गये कार्यों के बारे में जानकारी ली तथा उन्होंने सभी नगर पंचायत अधिकारियों को निर्देशित किया है कि साफ–सफाई की व्यवस्था चुस्त–दुरूस्त रहे तथा कहीं पर भी कूड़ा न मिले। जिलाधिकारी ने नगर पंचायतों में ओपन जिम तथा झूला लगाये जाने के लिए कहा है तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को सप्ताह में 2 दिन नगर पंचायतों का निरीक्षण किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने वहां पर साफ–सफाई की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली तथा निर्देशित किया कि स्कूलों में साफ–सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए है। लिक्विड वेस्ट की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कार्यों में लापरवाही बरतने पर ईओ हण्डिया का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी ईओ को साफ–सफाई के कार्यों में ध्यान देने के लिए कहा है। पौधरोपण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पुष्प के पौधों का रोपण कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक नगर पंचायतों में 2 स्थानों पर मियाबांकी कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने कार्यालयों में सोलर सिस्टम लगाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने स्ट्रीट लाइटों की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा जहां पर भी स्ट्रीट लाइट खराब है, उसकों तत्काल ठीक कराये जाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने खराब सड़कों को दुरूस्त कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी ईओ को अपने क्षेत्रों में पार्क बनवाये जाने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने मुख्य मार्गों पर पेंटिंग के साथ–साथ लाइटों को भी लगाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि होर्डिंग एवं साइनेज ठीक तरीके से मार्गों पर लगे है या नहीं, इसकी जांच कर ले और जो भी होर्डिंग या साइनेज अव्यवस्थित है, उसको तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व श्री जगदम्बा सिंह, पीओ डूडा वर्तिका सिंह, उपजिलाधिकारीगण एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत धनराशि निर्गत किए जाने के बावजूद भी निर्माण कार्य शुरू न कराये जाने वालो के विरूद्ध आरसी जारी किए जाने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें समस्त अधिशासी अधिकारियों एवं संस्थाओं को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति एवं लंबित आवासों के जियो टैगिंग का कार्य एक सप्ताह के अंदर पूर्ण कराने के निर्देश दिए साथ ही नगर पंचायतों एवं नगर निगम में तहसील स्तर पर लंबित आवेदन पत्र को जांच पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उक्त के अतिरिक्त जिन लाभार्थियों को आवास निर्माण हेतु धनराशि निर्गत की जा चुकी है किंतु उनके द्वारा आवास निर्माण का कार्य नहीं कराया जा रहा है उन्हें आरसी जारी करते हुए धनराशि वापस कराने की कार्यवाही हेतु एसडीएम को निर्देशित किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, परियोजना अधिकारी डूडा, सीएलटीसी एवं संस्थाओं के जिला समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है

मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियों से शहद उत्पादन के साथ–साथ फसलों में पर–परागण से पौधों की जीविता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है। कृषि के साथ–साथ अन्य ऐसे अनुपूरक व्यवस्था अपनाये जाने की आवश्यकता है, जिसमें भूमि की ज्यादा जरूरत न हो। इसके लिए वैज्ञानिक पद्धति से मधुमक्खी पालन (मधुमक्खी) पालन को बढ़ावा देने के उद्देशय से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज में अल्पकालीन मुधमक्खी पालन प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत डेढ़ माह (45 दिवसीय) का प्रशिक्षण सत्र दिनाँक 01.02.2023 से 15.03.2023 तक राजकीय मौन पालन प्रशिक्षण केन्द्र, कम्पनीबाग, प्रयागराज पर आरम्भ हो रहा है। यह प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जायेगा, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षार्थियों को रहने व खाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

इस प्रशिक्षण में पुरूष एवं महिलायें भाग ले सकती हैं, जिसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा–08 पास होना आवश्यक है। अधीक्षक राजकीय उद्यान के कार्यालय से सम्पर्क कर निर्धारित प्रारूप पर दिनाँक 01.02.2023 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ दो सम्भ्रान्त व्यक्तियों या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण पत्र आवश्यक है।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, मरीजों को दी गायी निशुल्क दवाएं

प्रयागराज सनैनी विषमभरपुर मे भारत गैस और प्रीम रोज शिक्षा संस्थान के सांयुक्त तत्वाधान मे निशुक्ल स्वास्थ्य शिविर आयुष के द्वारा लगाया गया जिसमे 250 से जायदा लोगों ने पंजीकृत करवाया और अपने शरीर कि जाँच करवाई और निशुल्क दवाइया वा फर्स्ट ऐड किट दी गयी,शिविर की लोगों ने खूब सराहना की, शिविर मे बाल रोग विशेषज्ञ डॉ कोमल श्रीवास्तव,हड्डी रोग विशेषज्ञ,डॉ रोहन सक्सेना,डॉ स्वाति चौधरी बीडीएस,डॉ दानिश खान होम्योपैथिक विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर कैंप मे पेशेंट को देख रहे थे वहीँ आँखों कि जाँच कि निशुक्र जांच भी लोगों ने कराई तो पैथोलॉजी मे लोगों ने ब्लड टेस्ट करवाया और हाइमोग्लोबिन वा शुगर टेस्ट करवा कर अपने बॉडी का हाल जाना भारत गैस के ऑफिसर वा प्रीम रोज शिक्षा संस्थान के मैनेजर फरहान आलम ने निशुक्ल फर्स्ट ऐड किट वितरण कि डॉक्टर दानिश खान ने फर्स्ट ऐड किट के इस्तेमाल करने का तरीका बताया.कार्यक्रम मे भारत गैस के ऑफिसर, संस्थान के मैनेजर फरहान आलम,समर आलम, गुफरान खान, प्रतीक आदी शामिल थे.

भाजपा युवा मोर्चा ने फूंका स्वामी प्रसाद मौर्या का पुतला

24 जनवरी प्रयागराज, सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या जी के द्वारा रामचरितमानस पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष सचिन मिश्रा के संयोजन में कार्यकर्ताओं ने सुभाष चौराहे पर स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला दहन किया

पुतला दहन करते हुए भाजपा महामंत्री वरुण केसरवानी एवं मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने कहा कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या जी के द्वारा रामचरितमानस पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने पर करोड़ों हिंदुओं के आस्था के ऊपर चोट पहुंचाया गया है जिसे किसी भी कीमत पर हिंदू समाज और भारतीय जनता पार्टी स्वीकार नहीं करेगी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी से मांग करता हूं सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य जी को तत्काल अपनी पार्टी से निष्कासित करें और हिंदू समाज से माफी मांगे

पुतला दहन करने वालों में शशांक शेखर सिंह, अमन केसरवानी, विकल्प श्रीवास्तव ,शुभम बाला, सिद्धार्थ पांडे ,अनिकेत गोस्वामी, मोनू सोनकर, विजय सिंह ,आयुष पांडे, आदर्श सोनकर ,प्रशांत कुमार, संदीप चौहान ,दिनेश विश्वकर्मा ,शिखा खन्ना, धीरज केसरवानी, लवकुश केसरवानी, सुनील केसरवानी ,शिवम मिश्रा, पिंटू दुबे आदि सैकड़ों भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने स्वामी प्रसाद मौर्य पुतला दहन किया

शिक्षकों के सम्मान के लिए भाजपा मैदान में (महेश चंद्र श्रीवास्तव)

24 जनवरी प्रयागराज, इलाहाबाद झांसी एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा गंगापार यमुनापार फतेहपुर कौशांबी प्रतापगढ़ एवं प्रयागराज महानगर जिले की बैठक भाजपा कार्यालय सिविल लाइन में आयोजित की गई

बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ध र्मपाल जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी शिक्षकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भाजपा का विजय रथ विकास का रथ है जो आगे बढ़ता ही जाएगा और आगे कहा कि शिक्षकों आशीर्वाद से देश और प्रदेश में हमारी सरकार बनी है और हमारी सरकार शिक्षकों के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य जी ने कहा कि यह चुनाव शिक्षकों के विकास और मोदी जी के द्वारा बड़ी मेहनत से लाई गई नई शिक्षा नीति का चुनाव है जो भारत की शिक्षा को एक नई दिशा प्रदान करेगी

बैठक में पार्षदों को संबोधित करते हुए काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि इलाहाबाद झांसी शिक्षक एमएलसी चुनाव में शिक्षकों के सम्मान और उनके विकास के लिए भाजपा मैदान में खड़ी है ऐसे में सभी सांसद, विध ायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष,ब्लॉक प्रमुख बीडीसी सदस्य, पार्षद अपने क्षेत्र में रहने वाले शिक्षकों के मध्य जाकर उनका आशीर्वाद ले और अपने सरकार के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को उनके मध्य रखें

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि चुनाव के एमएलसी इलाहाबाद झांसी शिक्षक चुनाव के संदर्भ में प्रयागराज जिले के सभी सांसद विधायक एमएलसी जिला पंचायत अध्यक्ष महापौर एवं पार्षद गणों की बैठक की गई जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों से महा जनसंपर्क में भाग लेने को कहा गया और शिक्षकों के बीच जाकर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बाबूलाल तिवारी जी जिताने के लिए लग जाने को कहा गया

इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया

बैठक में प्रमुख रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, अवधेश चंद्र गुप्ता कमलेश कुमार, यमुनापार जिला प्रभारी ओमकार केसरी, गंगा पार जिला अध्यक्ष अश्वनी दुबे यमुनापार जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारती कौशांबी जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी, पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे ज्ञानेश्वर शुक्ला ,कुंवर सिंह,कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, वरुण केसरवानी राजेश केसरवानी, संजय गुप्ता, आशीष गुप्ता दिलीप चतुर्वेदी, रमेश पासी, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा , राघवेंद्र सिंह ,प्रमोद मोदी,डॉक्टर शैलेश पांडे, एवं सभी जिले के चुनाव संयोजक , पोलिंग संयोजक उपस्थित रहे

सम्पादकीय

महात्मा गांधी और सुभाष बाबू, देश की आजादी के दो बड़े स्तंभ

आज पूरा देश नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 126 वीं जन्म जयन्ती श्पराक्रम दिवसश के रूप में मना रहा है। 16 जुलाई 1921 को इग्लैंड से भारत लौटने पर बम्बई में सुभाष बाबू की पहली मुलाकात महात्मा गांधी से होती है। इस पहली मुलाकात में ही देश की आजादी के लिए सुभाष बाबू और महात्मा गांधी बीच बातचीत से ही पता चलता है कि देश के दो महान नेताओं के दृष्टिकोण में कितनी भिन्नता और समानता है। उस वक्त 24 वर्षीय सुभाष बाबू देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर श्इंडियन सिविल सेवाश जैसे प्रतिष्ठित नौकरी से त्यागपत्र दे चुके थे।

इस मुलाकात में वे महात्मा गांधी से देश की आजादी के बाबत उनके मन–मंतव्य जानना–समझना चाहते हैं।लगभग एक घंटे की बातचीत में सुभाष बाबू का पहला सवाल था कि–देश की आजादी की लड़ाई में अहिंसा... कुछ समझ नहीं पता। आपकी अहिंसा के मायने क्या है?जवाब में महात्मा गांधी बताते है कि– अन्याय और बुराई को दूर करने का एकमात्र उपाय है कष्ट सहन करना। यह अहिंसा का सिद्धांत है। इसके लिए जरूरी है– ईश्वर में जीवंत श्रद्धा। फल की इच्छा बिना निरन्तर सेवा करते रहने से मन में अहिंसा के भाव का उदय होता है। यह सेवा मित्रों के लिए ही नहीं, शत्रुओं के लिए भी होती है।

आजादी को लेकर सुभाष बाबू का रुख महात्मा गांधी से बातचीत में सुभाष बाबू भी स्वीकार करते है कि विवेकानंद की शिक्षाओं में मैंने जीवन के आदर्श की तलाश कर ली है। मेरे जीवन का सिद्धांत है– ष्आत्मनो मोक्षधमर्रू जगतद्वितायश अर्थात् अपनी आत्मा की मुक्ति और मानवता की सेवा ही मानव जीवन का परम लक्ष्य है। सुभाष बाबू महात्मा गांधी से यह भी जानने को उतावले थे कि क्या आपके पास देश की आजादी का कोई ष्ब्लू प्रिंटष है, जैसा कि आप दावा करते है कि – यदि भारत की जनता कुछ बातों का एक साल तक पालन करें तो भारत स्वतंत्र हो जाएगा? महात्मा गांधी का उत्तर था कि– मेरे पास ऐसा कोई ब्लूप्रिंट तो नहीं है... ।सुभाष बाबू का महात्मा गांधी के साथ उस बातचीत में मुख्यतः तीन सवाल सामने आते हैं– पहला यह कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अब तक कौन सा कार्यक्रम चलाया है, जिससे आजादी के आंदोलन के लक्ष्य को हासिल किया जा सके? सविनय अवज्ञा आंदोलन किस तरह अंग्रेजों को मजबूर कर देगा कि वे देश छोड़कर चले जाएंगे? और क्या–क्या करने की जरूरत हैं, जिससे देश को एक साल में आजादी मिल जाए?सुभाष बाबू के मन में देश की आजादी की तड़प बार–बार उन्हें बेचौन कर रही थी। यह सोचने के लिए विवश कर रही थी कि जब–जब देश को राजनीतिक संघर्ष की जरूरत पड़ती है, तो महात्मा गांधी बार–बार आध्यात्मिक– सुधारवादी और रचनात्मक कार्यक्रमों की ओर क्यों बढ़ने लगते हैं? और देश भी उनके इशारे पर चलने लगता है? सुभाष बाबू के लिए श्भले ही आजादी ली नहीं, बल्कि छीनी जाती हैश्, पर महात्मा गांधी भारतीय स्वाधीनता संग्राम को महज राजनीतिक सत्ता हासिल करने का जरिया नहीं मानते थे, बल्कि वे ब्रिटिश हुकूमत से सभ्यतागत लड़ाई भी लड़ रहे थे,जो भारत के खोए स्वाभिमान को हासिल करने के लिए कम महत्वपूर्ण नहीं था।सुभाष बाबू की यथाशीघ्र भारत की आजादी हासिल करने की बेचौनी उन्हें किस कदर परेशान कर रह थी और जाने–अनजाने उन्हें जिस निष्कर्ष पर पहुंचा रही थी, उसकी एक बानगी सुपरिचित मनीषी–विचारक, भारत प्रेमी और नोबेल पुरस्कार विजेता फ्रांसीसी विद्वान रोमां रोलां के साथ उनकी अप्रैल 1935 में हुई मुलाकात में भी सामने आती है।रोमां रोलां से सुभाष बाबू यह बताने की चेष्टा करते है कि भारत में गांधी के नेतृत्व में चल रहा अहिंसक आंदोलन किस कदर निर्जीव हो चला है। अगर भारत को स्वतंत्रता हासिल करना है, तो मौजूदा नेतृत्व को हटाना ही पड़ेगा। रोमां रोलां बताते है कि यह बात सुभाष बाबू भी ठीक से जानते है कि सशस्त्र युद्ध में भारत बहुत दिनों तक ब्रिटेन का मुकाबला नहीं कर पाएगा। फिर भी उन्हें आशा थी कि अगर यूरोप में युद्ध छिड़ जाए और इग्लैंड में कोई विदेशी शक्ति अधिकार कर लें, तो उस समय वह भारत की स्वाधीनता के लिए उसकी सहायता कर सकता है।जब रोमां रोलां ने सुभाष बाबू को बताया कि इस तरह की कोई इच्छा हम लोगों के मन में नहीं हैं, तो वे थोड़े निराश हुए। महात्मा गांधी और सुभाष बाबू के विचारों के बीच यह मौलिक भेद ही भारत की आजादी के दो दीवाने को अन्य और बातों के अलावा दो भिन्न रास्ते पर ले गई, जिसका पूरा विवरण महात्मा गांधी और सुभाष बाबू के बीच हुए तमाम पत्र व्यवहारों में भी दृष्टिगोचर होता है।

द्वितीय विश्वयुद्ध और देश की राजनीतिक परिस्थितियों में बदलाव एक सितंबर 1939 को यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध शरू होने के बाद भारत में भी राजनीतिक परिस्थितियों में बड़ी तेजी से बदलाव आया। महात्मा गांधी पर कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं का दबाव बढ़ रहा था कि वे इस युद्ध में मित्र राष्ट्रों को अपना समर्थन घोषित करें, पर महात्मा गांधी यह भली भांति जानते थे कि भारत के लिए जितना खतरा फासीवाद से है, उससे कम खतरा ब्रिटिश साम्राज्यवाद से नहीं है। उधर नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंग्रेजों की नजरबंदी से फरार होकर फासीवादी ताकतों की सहायता से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त कराने के मकसद से जापान के सैन्य सहयोग से रंगून पर फतह करते हुए इम्फाल तक पहुंचने में कामयाब हो गए। पर कई बार इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं जब तमाम सैन्य ताकत, रणनीतिक कौशल और दुःसाहस धरी की धरी रह जाती हैं और परिस्थितियां पूरे घटनाक्रम को दूसरा ही मोड़ दे देती है।नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के साथ और कहना चाहिए कि महात्मा गांधी के साथ भी नियति ने कुछ ऐसा ही खेल किया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आजाद भारत का सवेरा देखने के पहले ही गुमनाम हो गए और महात्मा गांधी के मौत की कीमत पर भारत को गांधी के सपनों की आजादी हासिल नहीं हुई।भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर यह सबक लेने का भी अवसर है कि देश की आजादी के संघर्ष में कई बार सफलता की कहानी को अकसर याद किया जाता हैं। पर असफलताएं भी ऐसे कई दृष्टांत छोड़े जाती हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियां युग–युगांतर तक प्रेरणा लेती रहेगी।नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के राजनीतिक जीवन संघर्ष का भी एक पहलू ऐसा भी है, जहां वे खुद दावा करते हैं कि–सफलता हमेशा असफलता के स्तम्भ पर ही खड़ी होती है।

जन भागीदारी से गाँव व समुदाय की प्रगति के नए द्वार खोले जा सकते है

जिस चीज में अपनी कोई भागीदारी होती है, उससे एक आत्मीय जुड़ाव हो जाता है स उसे सहजने में एवं उसका रखरखाव में लोग स्वतः ही जुड़ने लगते है स यही कारण है कि पंचायती राज्य व्यवस्था में ग्राम पंचायत को गाँव के विकास के लिए स्वतंत्र अधिकार दिया गया है स ग्राम का चुना हुआ प्रतिनिधि गाँव का मुखिया होता है एवं गाँव व लोगो की जनभागीदारी से गाँव के विकास की परिकल्पना करता है स आखिर हो भी क्यों न? गाँव के उज्जवल भविष्य के बारे में गाँव वाले से बेहतर और कौन सोच सकता है ! गाँव में रहने वाले लोग एक समुदाय में रहते है एवं एक दूसरे से आपसी सामंजस्य बनाते हुए अपना जीवन यापन करते है स एक दूसरे के लिए सहयोग की भावना किसी भी समुदाय या समूह को और मजबूत व सशख्त बनाती है स

हमारा सारा जीवन किसी न किसी की सहायता एवं मदद से ही आगे बढ़ता है स बिना किसी की मदद से मनुष्य का जीवन ही संभव नहीं है स हमारे जीवन बचपन से लेकर वृद्ध तक बहुत से लोगों का एहसान एवं मदद का ऋणी होता हैय जिसमे हमारे माता–पिता, गुरुजन, पडोसी, रिश्तेदार एवं हमारे दोस्तों का सहयोग हमारे जीवन को बहुत प्रभावित करता है स कहते है कि किसी भी सफल पुरुष के पीछे किसी महिला का हाथ व साथ होता है, वह महिला हमारी माँ, जीवनसाथी या अन्य कोई मददगार भी हो सकती है स हमारे जीवन में सहयोग व साथ का बहुत महत्व है स

एक जुटता की कहानी के बारे में हमने बहुत सुना है एवं समुदायिक, जनभागीदारी के कार्यों से कठिन से कठिन कार्यों को आसानी से होते देखा है स यदि हमारे सामने पहाड़ जैसी चुनौती भी है तो जन भागीदारी से उस कठिनाई को भी लाँघा जा सकता है स किसी भी विषम परिस्थिति को अनुकूल करके सफलता पाई जा सकती है स यदि हम अपने आसपास कोई भी सुविधाओं की चीजो को जन समुदाय से बनाये एवं उसका संरक्षण करते हुए सहज कर रखे तो यह हमारे जीवन को सुखमय बनाने में मदद करेगी स

हम सभी सरकारी तंत्र में रहते है एवं सरकार के नियमानुसार सुविधाओं का उपयोग कर जीवन यापन करते है स हमारे चारो और सरकारी सुविधाओं का अम्बार लगा रहता है स उसका उपयोग हम व हमरे साथ सभी लोग करते है स सरकार हमारी सुविधाओं के लिए अपने स्तर पर भरपूर सहयोग करती है स हमारा नजरिया भी कही न कही यह हो जाता है कि ये सुविधा प्रदान करना तो सरकार का काम है और इसे उपभोग करना हमारा काम स परन्तु उसकी देखरेख एवं रखरखाव में शायद हम व्यक्तिगत एवं सरकारी का भेदभाव करना प्रारंभ कर देते है स इसलिए सरकारी सुविधाओं को हम सरकार की जिम्मेदारी समझकर सरकार पर टाल देते है स परन्तु सरकार ने जो सुविधा हमें दी है वह हमारी है, हम सब की हैय इसे हमें ही देखरेख व रखरखाव करने की आवश्यकता है स जिस गाँव व शहर में जन भागीगारी से काम होता है उस गाँव में प्रगति दौड़ते हुए जाती है स

गाँव में सरकारी तंत्र का सबसे बड़ा एवं हमारे जीवन को प्रभावित करने वाली सुविधा है सरकारी स्कूल स यदि हम गाँव से है तो हमने गाँव के सरकारी स्कूल में पढ़कर अपनी शिक्षा को पूर्ण की है स सरकारी स्कूल में सरकार द्वारा हमें निःशुल्क शिक्षा पदान की जाती है स शिक्षा, गणवेश, पुस्तके, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृत्ति आदि की सुविधा देकर हमारे शिक्षित करने के लिए सरकार गाँव दृ गाँव में स्कूल खोलती है स हमारे गाँव के बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते है और आगे बढ़ते है स हम सभी सरकारी स्कूल में पढ़कर आगे तो बढ़ गए है, परन्तु हमारा सरकारी स्कूल जैसा का वैसा है स सरकार समय–समय पर स्कूलों की सुविधाओं के लिए काम करती है, सरकार का ध्यान यदि इन स्कूलों की और नहीं गया तो ये स्कूल मात्र एक भवन बनकर रह जाती है, न उसमे कोई सुविधा न कोई अपडेट स ऐसे समय में गाँव वालों की जन भागीदारी बहुत अहम हो जाती है कि सरकारी स्कूलों में सुविधाओं के लिए सरकार को ध्यान दिलाये व कुछ कार्य को आपसी सहयोग एवं दान के माध्यम से सुविधाजनक बनाने में मदद करें स हमारे आसपास हम बहुत से ऐसे सरकारी स्कूल देख सकते है कि वो बच्चे की मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करते हुए नजर आते है स स्कूल में अच्छा खेल का मैदान नहीं होता, यदि होता भी है तो वह खेलने लायक नहीं होता, स्कूल भवन जर्जरता का शिकार होकर बरसात में अपने आंसू बहा रहा होता है स स्कूलों के आसपास स्वच्छता का अभाव के कारण वहाँ का माहौल नीरस रहता है स क्या गाँव का यह स्कूल सरकार का है हमारा नहीं ? क्या हमारे गाँव के पढ़ने वाले बच्चों के उपयोग में आने वाला यह विद्या का मंदिर हमारा नहीं है? हम इसको अनदेखा क्यों करते है स क्या हम सब मिलकर उसे दुरुस्त करने में अपना सहयोग नहीं दे सकते है?

हम सभी अपने जीवन में बहुत से ऐसे खर्चे करते है जिसका प्रत्यक्ष लाभ नहीं होता या उसका नुकसान जानते हुए भी खर्च करते है स क्या हम अपने गाँव के स्कूल को बेहतर बनाने के लिए अपना अल्पांश नहीं दे सकते? थोड़ा सोचना होगा! हमने जिस स्कूल से हमेशा लिए ही है, क्या हमें उसे कुछ वापिस नहीं करना चाहिए ? हमें हमारे मन में "पे बैक टू स्कूल" की भावना से कुछ न कुछ अवश्य सहयोग करने की आवश्यकता है स यह पहल हम कुछ विशेष अवसरों को यादगार बनाने के लिए कर सकते है स जैसे हमारे जन्मदिवस में, किसी की बरसी, सालगिरह, किसी त्यौहार या अवसर पर स्कूल के बच्चों के लिए दान और मदद कर उनके चेहरे में मुस्कराहट लाया जा सकता है ।

कानूनी और वित्तीय पहलुओं की जानकारी

औरतों को कमतर समझकर उन्हें कई तरीके की जानकारी प्राप्त होने नहीं दिया जाता है उनसे कानूनी या वित्तीय पहलुओं की जानकारी रखने की उम्मीद कभी नहीं की गई वह अपनी ही बनाई हुई दुनियाँ में सिमटती गई। औरतों को हर बातों की जानकारी होनी चाहिए पारंपरिक रूप से भारतीय स्त्री से यह उम्मींद नहीं की जाती है कि वे धन के प्रबंध या संपत्ति एकत्र करने के बारे में जानकारी रखे, वह राजनीतिक या सामाजिक विषयों पर दखल रखें। उसके लिए कानून या वैधानिक प्रक्रियाओं के बारे में जानना जरूरी नहीं समझा जाता यह अज्ञानता उसके जीवन को काफी हद तक नुकसान पहुँचा सकती है। बहुत सी स्त्रियाँ बुद्धिमान होती लेकिन वह अपने दिमाग और दिल में बुद्धिमानी का संचय करने के लिए अपनी बुद्धि के साथ अनुभव का संबंध में व्यय नहीं करती हैं। वाह अपने परिवारजनों और मित्रों के अनुभवों से सीख ना लेते हुए अपने आप को एक दायरे में सीमित कर लेती है। वे समाज के सामूहिक अनुभव पर ध्यान नहीं देती है उन्हें इस बात का एहसास नहीं होता है कि इसकी वजह से वह प्रतिष्ठित, फायदेमंद, समृद्ध जीवन जी सकती है। जीवन के हर मोड़ पर अपने अधिकारों की जानकारी हर स्त्री को होना चाहिए।

अपने देश, संप्रदाय और समाज के बारे में जानकारी रखना स्त्रियों के लिए आवश्यक है। सदियों से घर में रहने की आदत और अपना दायरा इर्द–गिर्द के लोगों तक ही रखने के कारण स्त्री को अपना संसार सीमित करने की आदत हो गई है। सामाजिक घटनाओं की जानकारी रखना आज की स्त्री के लिए बहुत जरूरी है जहाँ एक और हम अपने अभिभावकों और अध्यापकों से स्कूल कॉलेज और व्यवसायिक शिक्षा लेते हैं वही पढ़ कर, देख कर अवलोकन कर हमारा यह उत्तरदायित्व है कि हम अपने ज्ञान में बढ़ोतरी करते रहे। देश की राजनीतिक प्रक्रिया में स्त्रियों को सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए स्त्रियों के लिए मुद्रा बाजार और उसकी कार्यप्रणाली से परिचित होना नितांत जरूरी है। धन का प्रबंधा करना एक दिलचस्प विषय है इस युग में जब धन और संपत्ति को बढ़ाना प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को बदल देता है औरतों का आत्मनिर्भर बनना बहुत जरूरी है। उन्हें शेयर मार्केट, बैंकिंग के कार्य और म्यूचुअल फंड जैसी वित्तीय संस्थाओं के बारे में सीखने और समझने के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए। अनेक शिक्षित स्त्रियाँ इस भ्रामक धारणा की शिकार है कि धन संबंधी जानकारी रखना आम औरतों की पहुँच से बाहर है कि पिता, पति पुत्र या किसी पुरुष साथी को इसका उत्तरदायित्व उठाना चाहिए, लेकिन धन चाहे कोई संभाले स्त्री को अपनी वित्तीय सुरक्षा और कैसे वह अपना कोष बनाए इसके प्रति अवगत और सतर्क रहना चाहिए। आजकल अधिकतर बैंक यह सलाह भी देते हैं कि निवेश कैसे किया जाए? धन की बचत करने या उसे अर्जित करने की आवश्यकता पर स्त्रियों की धन संचय करने की बात निर्भर करती है। अपने परिवार पर आर्थिक रूप से पूर्णतया निर्भर होने का जो दर्द सदियों से औरतें झेलती आ रही है उसे देखने के बाद सारी औरतों को अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करना चाहिए। जागरूकता से ही यह बात समझ में आ सकती है कि केवल आत्मनिर्भरता से ही जीवन में प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान प्राप्त होता है। औरतों को पुराने और नए कानूनों के बारे में जानकारी रखनी चाहिए उससे उनके इस तरह भाग्य का फैसला होता है पर्सनल कानून जो विभिन्न संप्रदायों को संचालित करते हैं उसके अतिरिक्त हिंदू कोड बिल, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, दहेज निषेध प्रस्ताव, भारतीय दंड संहिता और आपराधिक प्रक्रिया संहिता के खंड की जानकारी होना आवश्यक है। तलाक, बच्चों का संरक्षण, तलाक के बाद मुआवजा संपत्ति और घर यह सारे मामले ऐसे होते हैं जो रातों–रात औरतों का स्तर बदल देते हैं। अनेक औरतें इसलिए पीछे हटती है क्योंकि अकेले और असहाय होने के कारण उनकी भावनात्मक पीड़ा दुगनी हो जाती है। अच्छे वकील, समर्थक दल और औरतों का नेटवर्क जो मुश्किल राह से गुजरती प्रत्येक स्त्री के अंदर नया आत्मविश्वास उत्पन्न करते हैं उनके बारे में जानना बहुत जरूरी है। कई बार स्त्रियों की जिंदगी परिवार वा समुदायों द्वारा निर्मित धार्मिक और सांस्कृतिक रिवाजों द्वारा संचालित होती है। प्रत्येक औरत को यह बात समझ लेनी चाहिए कि इनमें से कितने अच्छे हैं और कितने वर्तमान समय के लिए अनुपयोगी! बिना जाँच किए इसमें से किसी का भी खंडन नहीं करना चाहिए। यह परंपराएं और रिवाज जो औरतों को मानसिक और वैधानिक दास्तां में बांधते हैं उनको बिना एक पल गवाएं अलग कर देना चाहिए। जो हमारी पहचान को निर्मित करते हैं चरित्र को मजबूत करते हैं हमें जीने का एहसास देते हैं उन्हें जनता से संभाल कर रखना चाहिए। अपने कैरियर और परिवार के सिवाय भी औरतों की अपनी निजी जिंदगी होनी चाहिए। बाकी जांच शिविर, निदान तथा इलाज और विभिन्न बीमारियों के लक्षण का ज्ञान भी होना जरूरी है। आंतरिक सुंदरता के साथ अपने अंदर के हुनर को बाहर लाना चाहिए। नई क्षमताओं द्वारा आत्मिक विकास और निरंतर प्रगति पर ध्यान देते हुए खुशी के साथ रहना चाहिए। उर्जा को केवल अच्छे स्वास्थ्य और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए ही पाया जा सकता है। औरतों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी धर्म उसे द्वितीय श्रेणी का नागरिक करार ना दे सके। आध्यात्मिक प्रगति और शांति का मार्ग अपनाना किसी भी विशेष दल की संपत्ति नहीं है। ईश्वर तक पहुँचना और चिंतन की सुंदरता का अनुभव करना स्त्री के विकास का सच्चा मार्ग है।

जनता की भावनाऐं आहत ना हों, राजशाही ध्यान रखें !

74 वां गणतंत्र दिवस की खुशी है मगर जन–जन की भावनाएं तो आहत है। संविधान के अनुरूप जनता की सरकार है, उसके द्वारा चुनी गई और उसी के लिए बनाई गई सरकार है। इतना सब कुछ तो जनता की भावनाओं को क्यों ठेस लग रही है। महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी सभी बेतहाशा बढ़ी हुई है। वही समस्याएं सामने है जो पहले थी, अब तो और ज्यादा बड़ी हो गई है। पक्ष विपक्ष की लडाध्ई में व्यस्त सरकार जनता की मूल समस्याओं को हल नहीं कर पा रही है जनता इसलिए दुखी है। देश में बहुत बढ़ा वर्ग उपेक्षित है। आरक्षण कब अधिकार बन गया, कब तक चलेगा इसकी सीमा समय तय करने का साहस सैंकडों संशोधन संविधान में करने वाली सरकारों में कहां था, आगे भी यह साहस कोई सरकार नहीं दिखा पायेगी।

जन गण मन को इसके अर्थ की वजह से राष्ट्रगान बनाया गया। इसके कुछ अंशों का अर्थ होता है कि भारत के नागरिक, भारत की जनता अपने मन से आपको भारत का भाग्य विधाता समझती है। हे अधिनायक (सुपरहीरो) तुम्ही भारत के भाग्य विधाता हो। इसके साथ ही इसमें देश के अलग– अलग राज्यों का जिक्र भी किया गया था और उनकी खूबियों के बारे में बताया गया था। प्रमुख कर्तव्य है हम सबका कि राष्ट्र की रक्षा और उत्थान में देश की सरकार व जनता सदैव तत्पर रहे, सभी में देश की सुंदरता को बढ़ाने, सीमाओं की रक्षा और देश की धरोहरों को अक्षुग्ण रखने, देश का सम्मान बढाने का भाव सदैव बना रहे। देश का भाग्य बनाने में सभी का योगदान रहे ताकि विश्व में भारत का गौरव बढेध्, सरकार को भी इसी उद्देश्य के अनुरूप कल्याणकारी कार्य करना चाहिए। म. प्र. सरकार ने अब अपराधियों, मिलावटखोरों, पत्थरबाजों और लवजिहाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का कार्य शुरू कर दिया जो सराहनीय कदम हैं। इससे कानून पर जनता का विश्वास बढेध्गा। गुंडे, अपराधी कानून से डरेंगे । सरकार को भूमाफियाओं पर भी सख्त कार्रवाई करना चाहिए। इन सबके जो राजनीतिक संपर्क और सहारे–आसरे तथा बचाव के जरिए हैं उन्हें खत्म करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती हैं । फिर भी जनता सरकार से उम्मीद करती हैं कि इन चुनौतियों का सामना करते हुए सरकार सख्ती के साथ बिचौलियों पर भी सख्त कार्रवाई करे।

QUALITY CONTROL

मानव का सही से अपने आप नियंत्रण QUALITY CONTROL होता है। मानव जितना ज्यादा नियंत्रित रहेगा उतना ही मानव गुणगान होगा । वह सभी जगह प्रशंसनीय भी होगा । जिन्दगी मे धूप है तो घनी छांव भी तो है। गति के साथ –साथ मे ठहराव भी तो है।पर जो जानते है हर पल समभाव मे जीना उनके लिए जिन्दगी केवल वरदान ही तो है। 9 दुर्गम तिर्यंच घाटियां पार करके मुश्किल से भव भवान्तर मे भटकते हुए हमें दुर्लभ मनुष्य शरीर मिला है और आज तक हमें कितनी ही बार मिला भी हो सकता है । हम अभी तक नहीं सम्भले है क्योंकि हम भटक रहे है इसी भव भवान्तर के चक्कर में। आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने सम्बोधि पुस्तक में मन की प्रसन्नता का राज संवेगों पर नियंत्रण रखना,आग्रही विचारों का निरोध, विधेयात्मक चिंतन आदि मन को स्वस्थ एवं प्रसन्न रखते हैं।हमें अपने आप पर दृढ़ विश्वास हो कि हम अपनी आत्मा का शुद्ध स्वरूप पा सकते हैं । हमारे सामने वो मार्ग प्रशस्त किया है हमारे तीर्थंकरों ने आगम वाणी में। गुरुदेव तुलसी जी ने भी श्रावक सम्बोध में हमें बताया है की यों चले निषेधात्मक चिंतन में हो सदा हमारे विधेयात्मक भाव, सम्यक दर्शन के ये स्वभाव। हम अपने दुर्व्यवहार ,दुर्गुणों को त्यागकर स्वस्थ और प्रसन्न मन का राज पा सकते हैं ।सुखी रहना सब चाहते है । तब क्यूँ मन को हम बनाते दुखी । स्वयं का

आत्मविश्वास, साहस और धर्म ध्यान आदि ही है मन के मित्र । मन पर सदा रहे उनका नियन्त्रण । हमेशा ही मन रहेगा प्रसन्न ।

वाणी, विचार, आचार, व्यवहार व स्वभाव हैं ये सब प्रायः आदमी की है पैतृक कम्पनी के ही उत्पाद। प्रदीप छाजेड़ (बोरावड़)।

समरस संस्थान साहित्य सृजन भारत की आयोजित हुई वर्चुअल आम सभा

समरस संस्थान साहित्य सृजन भारत द्वारा दिनांक 22 जनवरी 2023 की शाम इस सत्र की प्रथम वर्चुअल आम सभा संरक्षक मंडल सदस्य श्री रघुनाथ मिश्र श्सहजश् की अध्यक्षता में आयोजित हुई। देश की विभिन्न इकाइयों के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया।

सभा का प्रारंभ डॉ उमा सिंह की मधुर आवाज के द्वारा मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। सभा का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री कामिनी व्यास श्वावलश् द्वारा किया गया तथा परिचर्चा के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। तथा परिचर्चा में निम्न एजेंडा प्रस्तुत किए गए। पूर्व की तरह मासिक गोष्ठियों का आयोजन।वर्ष भर के कार्यक्रमों का कैलेंडर बना कर सभी राज्यों की इकाइयों को भेजना। बालकों के विकास और प्रोत्साहन हेतु कार्यक्रम बनाकर प्रोत्साहन करना। 26 जनवरी को राष्ट्रीय एवं इकाई स्तर पर गोष्ठी आयोजित करना। सामाजिक, संस्कृतिक।और राष्ट्रीय विकास में प्रभावी योगदान हेतु न्यूज चौनल की स्थापना।संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश व्यास श्स्ने हिलश् ने कहा कि महिलाओं के उत्थान, युवा पीढ़ी एवं बच्चों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति अलख जगाया जाए। कार्यशाला प्रभारी डॉ भावना सांवलिया ने बालकों के सृजनात्मक विकास हेतु लेखन एवं चित्र काव्य प्रतियोगिताओं का सुझाव दिया। जयपुर इकाई अध्यक्ष लक्ष्मण रामानुज लड़ीवाला ने संस्था के विस्तार एवं बाल विकास हेतु सुझाव दिए।मीडिया प्रभारी शशि जैन ने कहा साहित्य जगत में महिलाओं का रुझान निरंतर बढ़ रहा है। ये हमारे देश के लिए बड़े ही गर्व की बात है। उपाध्यक्ष राव शिवराज पाल सिंह ने कहा कि आज के बच्चों को हिंदी विषय और हिंदी भाषा के प्रति रुचि जागृत करने की आवश्यकता है। हमको माध्यमिक शिक्षा स्तर से पहले ही बच्चों के लिए अनेकानेक कार्यक्रम करवाने चाहिए। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी कहावत ष्कैच देम यंगष् का उदाहरण दिया।डॉ निशा अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज की युवा पीढ़ी पश्चिमी संस्कृति एवं आधुनिकता की दौड़ में अंधी हो रही है।अतः हमको भारतीय संस्कृति और भाषा का संरक्षण और हिफाजत करने हेतु नए आयाम स्थापित करने की जरूरत है। कार्यक्रम में मधु सिंह श्महकश्,कपिल खंडेलवाल, बृज सुंदर एवं डॉ अनिल शर्मा रेनू ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जयपुर इकाई महा सचिव डॉ निशा अग्रवाल को राष्ट्रीय न्यूज चौनल का प्रभारी नियुक्त किया गया। सभी ने उनको बधाइयां दी।समरस द्वारा बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर समरस बाल काव्यशाला आरम्भ करने की घोषणा भी की गई।जो भी बच्चे इस काव्यशाला मे भाग।लेना चाहते है, संस्थान से जुड़ सकते है। सभा का समापन श्रीमती कामिनी व्यास द्वारा आभार के साथ संपन्न हुआ।

धूमधाम से मनाया गया श्री हरि राधे राधे सेवा संस्था का वार्षिकोत्सव

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष श्री हरि राधे राधे सेवा संस्था का वार्षिक उत्सव बड़े धूमधाम से सुन्दरकाण्ड एवं माता रानी की ज्योति प्रज्वलित करके मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश यादव, महासचिव राजेश पाण्डेय, सलाहकार गुड्डू तिवारी सलाहकार एस पी मौर्य, सचिव उमेश यादव, उपाध्यक्ष अमित तिवारी, कार्याध्यक्ष कमलेश शुक्ला, व्यास पं श्री हौसला प्रसाद तिवारी, महिला सचिव श्रीमती रेखा तिवारी, महाराष्ट्र अध्यक्ष सुर्यकांत सिंह, महाराष्ट्र युवा अध्यक्ष योगेश सिंह, मुम्बई अध्यक्ष विरेन्द्र यादव, दीनानाथ गोस्वामी ,महाराष्ट्र मिडिया प्रभारी महेंद्र पाण्डेय, प्रवक्ता घनश्याम दुवे ,महाराष्ट्र महिला अध्यक्ष श्रीमती पूजा चौधरी, सचिव नितू पूर्वे ,मिरा भाईंदर जिला अध्यक्ष रमेश अहीर, कार्याध्यक्ष अनिल गुप्ता, सलाहकार मालिक पटेल, ठाणे जिला अध्यक्ष सूर्यप्रकाश यादव, ठाणे महिला अध्यक्ष श्रीमती काजल सिंह ,मि. भा महिला अध्यक्ष श्रीमती सुमन तिवारी, भाईंदर महिला अध्यक्ष ऊषा यादव, संगीत प्रकोष्ठ अध्यक्ष विनय शर्मा ,युवा अध्यक्ष राजू दुबे, विशेष कोर कमेटी सदस्य जनक सिंह, संजीव सोनी, रामकुमार मिश्रा, अशोक शर्मा ,वरिष्ठ सदस्य रामफेर सिंह ,सचिव क्षमा सिंह ,सचिव एडवोकेट नीलम शुक्ला, नीलम पाण्डेय, करन सिंह ,रमेश यादव, राधा मिश्रा ,नितू सिंह समेत सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

क्षत्रिय विकास समाज समिति के जिलाध्यक्ष ने कम्बल बांटे

बदायूँ कछला में वृद्धा आश्रम में क्षत्रिय विकास समाज समिति की ओर से वृद्ध एवं महात्माओं को ठंड से बचने के लिए गर्म कंबल बांटे गए जिला अध्यक्ष सुरेश सिंह ने बताया कि आज हमारी क्षत्रिय विकास समाज समिति की ओर से कछला आश्रम में वृद्ध एवं महात्मा को निशुल्क कंबल दिए गए हैं और समिति हमेशा ही समाज सेवा के कार्य करती रहेगी है इस मौके पर सुरेश सिंह दुर्गेश सिंह बच्चन सिंह राजू अरविंद शेर सिंह संजय यादव रवि बच्चन सिंह अन्य लोग मौजूद रहे।

पारीक समाज के प्रतिनिधियों का हुआ भव्य स्वागत

मकर सक्रांति को हुए श्री राम कृष्ण गौशाला गायत्री परिवार और राजस्थान युवा मंच के बैनर तले एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम में पारीक समाज भिवंडी द्वारा तन मन और धन से जो इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सहायता दी गई इसके लिए पारीक समाज के अध्यक्ष और पारीक समाज के प्रतिनिधियों का भव्य स्वागत गायत्री मंदिर में कल रात्रि किया गया। राजस्थानी युवा मंच के संयोजक भरत भाटी ने इन सभी का आभार प्रकट किया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में अपनी भूमिका निभाएंगे ऐसी उन्होंने उनसे अपेक्षा की। पारीक समाज के प्रतिनिधियों में अध्यक्ष श्री दिनेश जी भूतपूर्व अध्यक्ष श्री तोलाराम जी, रामकुमार जी, सहित पारीक समाज के काफी संख्या में प्रतिनिधि मौजूद रहे। पारीक समाज के अध्यक्ष श्री दिनेश जी पांडेय ने कहा कि हमेशा गौ माता के लिए हमारा समाज हर वक्त तैयार है। उन्होंने पारीक समाज के लिए धन्यवाद अर्पित किया की गौ माता के लिए जो तन मन धन से समस्त समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी श्रद्धा शक्ति आर्थिक मदद की। पारीक समाज के सभी कार्यकर्ताओं ने गौ माता के इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक सच्चे सेवक की तरह सहायता की और कार्यक्रम में अपनी मौजूदगी के साथ–साथ स्वयंसेवक की भूमिका भी अहम निभाई।

डोडियाना में हुआ श्री श्रीयादे माता जयंती का भव्य आयोजन

श्री श्रीयादे माता जयंती का आज ग्राम डोडियाना की धरती पर प्रजापत समाज द्वारा संचालित प्रगतिशील युवा विकास समिति डोडियाना के बैनर तले भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में समाज के वरिष्ठ महिलाएं बच्चे और युवा मौजूद रहे। प्रजापत समाज डोडियाना के वरिष्ठ जन ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की। समिति द्वारा डोडियाना के सभी वरिष्ठ जन का दुपट्टा हारा स्वागत किया तथा वरिष्ठ माताओं का भी स्वागत किया गया।समिति के संरक्षक श्री रूपा राम जी प्रजापत का भी भव्य स्वागत किया गया उन्होंने भी समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।समिति के अध्यक्ष श्री शिवलाल प्रजापति ने संगठन में शक्ति पर जोर दिया। उपाध्यक्ष हरी राम जी प्रजापत ने भी आपस में मिलजुल कर सब साथ मिलकर कार्यक्रम को अच्छा करने की सलाह दी। समिति के सचिव रामकुमार प्रजापत ने भी अपने शिक्षा के प्रति और एकता के प्रति विचार प्रकट किए। समिति के कोषाध्यक्ष भरत प्रजापत ने मंच संचालन और अपनी मधुर वाणी से सभी को खुश कर दिया। उन्होंने कहा कि बोल मीठे ना हो तो हिचकियां नहीं आती कीमती मोबाइल पर कभी घंटियां नहीं आती जिस घर में मिठास ना हो उस घर में आदमी तो क्या चीटियां भी नहीं आती इस बात पर सभी ने ताली बजाकर भरत प्रजापत का मनोबल बढ़ाया। निकिता प्रजापत ने भी अपने वक्तव्य में समाज के सभी वरिष्ठ जन से निवेदन किया कि ना फेसबुक ना व्हाट्सएप अपनी पहचान होती है तो सिर्फ आपके बच्चों की सफलता से बच्चे आपके समाज का और आपका आइडेंटी कार्ड है। वर्षा प्रजापत ने भी अपने वक्तव्य में कहा कि हमेशा परिश्रम करते रहना चाहिए चाहे वह व्यापारी हो या स्टूडेंट हो उसे सफलता जरूर मिलती है। आलस्य और अहंकार से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। राशि प्रजापत ने भी अपने विचार प्रकट किए। ज्ञात रहे कि यह एक छोटे स्तर का समारोह था शिक्षा दान महादान समारोह आगे के दिनों में आयोजित किया जाएगा। समाज के सभी वरिष्ठ समिति के समस्त कार्यकर्ता बच्चे बच्चियां बहुएं माताएं एवं बहने इस समारोह में मौजूद रहे। अंत में श्री श्रीयादे माता जी की आरती करने के बाद समारोह की समापन की घोषणा की गई। के बाद भोजन प्रसाद का भी आयोजन किया गया। अध्यक्ष महोदय ने सभी को धन्यवाद अर्पित किया।

काव्यस्थली पर सुप्रसिद आशु कवि डॉ बलजीत सिंह अनंत लूटी वाहवाही

जयपुर राजस्थान । रविवार दिनाँक 22 ६ 01 ६ 2023 को काव्यस्थली पटल पर जो एक सुप्रसिद्ध साहित्य संस्था है जिसमें सुप्रसिद्ध रचनाकार अपनी रचनाओं से पटल की शोभा बढ़ा रहे हैं इसी कड़ी में मशहूर आशु कवि बलजीत सिंह अनन्त ने पटल पर एकल काव्यपाठ द्वारा अपनी खूबसूरत काव्यमयी एवम बेहद उम्दा रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया, श्रोताओं ने भूरि भूरि प्रशंसा की।आपको बता दें कि आदरणीय बलजीत सिंह अनंत पेशेवर इंजीनियर होने के साथ एक सुप्रसिद्ध आशु कवि है राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना कौशल दिखा चुके हैं तथा कई राष्ट्रीय सुप्रसिद्ध कवियों के साथ मंच साझा कर चुके हैं।पटल की संस्थापिका और संचालिका डॉ सुनीता शर्मा ने बताया कि डॉ बलजीत सिंह अनंत ने लाइव कार्यक्रम में आरंभ से अंत तक अपनी उत्कृष्ट आशु काव्यकला का प्रदर्शन करते हुए कुछ उम्दा शेरों शायरी, बेटियों पर मार्मिक काव्य चित्रण दुर्गा सप्तशती पर अपनी रचना के मुख्य अंश सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही बटोरी।शर्मा ने बताया कि डॉ बलजीत सिंह अनंत को काव्यस्थली पटल के सर्वोच्च सम्मान काव्य शिरोमणि उपाधि से अलंकृत किया गया। तथा ब्राह्मण योद्धा फाउंडेशन रजिस्टर्ड ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पटल की संस्थापिका डॉ सुनीता शर्मा व वरिष्ठ पत्रकार जे पी शर्मा तथा समस्त एडमिन समूह ने डॉ बलजीत सिंह अनंत को शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया तथा उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की कामना की।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वी जयंती मनाई

बदायूं आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127 वी जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओमकार सिंह की अध्यक्षता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं सुभाष चौक पहुंचकर कांग्रेस जनों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया वंदे मातरम राष्ट्रगान का पाठ किया एवं उनको उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओंकार सिंह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को याद करते हुए कहा की देश की आजादी के लिए उन्होंने एक नारा दिया था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा इन करिश्माई नारों से उस समय का युवा उनके साथ एकजुट हुआ और उन्होंने आजाद हिंद नाम की फौज बनाई ।1938 में वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए और कांग्रेसजनों ने उनकी अगुवाई में भी स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी। इस मौके पर राम रतन पटेल, जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुनीता सिंह जिला महिला उपाध्यक्ष उपासना सिंह जिला नितिन आर्य सदस्य इकलास अहमद, रामपाल मौजूद रहे । इधर राष्ट्रीय जनाधिकार सरक्षण संस्थान ने सुभाष चन्द की जयती मनाई संस्थान के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि 21 अक्टूबर 1943 को आजाद सरकार की स्थापना करते हुए उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन किया उसके बाद 4 जुलाई 1944 को वृमा पहुंचे जहां से ही उन्होंने नारा दिया था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा 1921 से 1941 के दौरान वह पूर्ण स्वराज के लिए कई बार जेल भी गए। विनोद मिश्री जी विनोद विक्रमसिंह सेठी अन्य मौजूद रहे ।

केबिनेट मंत्री नेता जी की जंयती पर मानव श्रृंखला का निर्माण कर सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मिर्जापुर। कैबिनेट मंत्री "आशीष पटेल", मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल जनपद मीरजापुर "डा0 मुथुकुमार स्वामी" व पुलिस उप महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र जनपद मीरजापुर द्वारा जिलाधिकारी मीरजापुर "दिव्या मित्तल" व पुलिस अधीक्षक मीरजापुर "संतोष कुमार मिश्रा" के साथ नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जंयती के अवसर पर सर्व प्रथम नेता जी की तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए मानव श्रृंखला का निर्माण कर सड़क सुरक्षा माहध्यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस दौरान जनपद शहर क्षेत्र में पुलिस विभाग के अधिकारीध्कर्मचारीगणों, विभिन्न कालेज के छात्रछात्राओं व आमजन के साथ मानव श्रृंखला का निर्माण करते हुए यातायात सुरक्षा माहध्यातायात जागरूकता सम्बन्धित शपथ लेते हुए यातायात सम्बन्धी नियमों के पालन करने के प्रति जागरूक कर नियमों को पालन करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया, वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने व सीट बेल्ट लगाने की हिदायत भी दी गयी, यह भी बताया गया की यातायात नियमों का पालन करके ही वाहन दुर्घटनाओ में कमी लायी जा सकती है । वाहन पर निर्धारित संख्या से अधिक सवारी न बैठाने, निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन को प्रयोग कदापि न करने, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन चलाने हेतु प्रोत्साहित न करने, शराब पीकर वाहन न चलाने, शीत ऋतु में पड़ने वाले कोहरे से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु वाहनों में रेट्रोरिफ्लेक्टर टेप लगाने तथा अन्य लोगों को भी इनका पालन करने हेतु प्रोत्साहित करने की अपील भी की गई ।

वालीबॉल में पाकड़पुर खो-खो में अयोध्या के मांझगांव रहा विजेता

संयुक्त रूप से दोनों टीमों को विजेता घोषित किया गया। बालक एवं बालिका वर्ग की खो–खो प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मांझगांव व खंडासा की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए दोनों वर्गों का फाइनल मुकाबला मांझगांव की टीम ने जीता। कबड्डी में विकासखंड की 45 टीमों, वालीबाल में 14 टीमों तथा खो–खो में 8 टीमों ने हिस्सा लिया,इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पवन सिंह, अमानीगंज की खेल समिति के अध्यक्ष अरविंद पांडे, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन मौर्य, वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रबली सिंह, जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी, शीतला बाजपेई, विजय कुमार उपाध्याय, रन बहादुर सिंह, अमर बहादुर सिंह उत्तम, शंभू सिंह, उमानाथ पाण्डेय, बंशीधर शर्मा, देवेंद्र सिंह, सियाराम रावत, महेंद्र सिंह, कुंवर बहादुर मिश्र, काशीराम पांडे, जितेंद्र सिंह, बबलू सिंह, ब्रह्म प्रकाश शुक्ला, मण्डल महामंत्री सर्वेश तिवारी, अखण्ड पाण्डेय, अजय सिंह, हरिओम पाण्डेय, सुधाकर सिंह, अमर प्रताप सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जयंती पर शहर में निकाली गई नेताजी सम्मान यात्रा, अयोध्या नगर विधायक वेद गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मांझी, अयोध्या अयोध्या। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय विचार केंद्र के तत्वावधान में सोमवार को शहर में नेताजी सम्मान यात्रा निकाली गई। शहर के चौक क्षेत्र से निकली नेताजी सम्मान यात्रा को नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नेताजी सम्मान यात्रा में सभी दल के प्रतिनिधि शामिल हुए। यात्रा में शामिल लोगों ने नगर निगम परिसर में स्थपित नेताजी की मूर्ति पर पहुंच माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय विचार केंद्र के अध्यक्ष शक्ति सिंह ने कहा कि मुखर्जी आयोग ने पहले ही साबित किया है कि ताइवान में प्लेन क्रैश की कोई दुर्घटना नहीं हुई है। ऐसे में सरकार नेताजी की मौत को पाठ्यक्रम से निकाल दुनिया के सामने वास्तविकता रखे। उन्होंने नेताजी की जयंती पर 23 जनवरी को राष्ट्रीय दिवस घोषित करने, नेताजी को राष्ट्रपुरुष घोषित करने साथ ही जनपद के किसी चौराहे पर उनकी आदम कद प्रतिमा लगाने की मांग की है।उन्होंने दावा किया है कि जनपद स्थित रामभवन में गुमनामी बाबा रहते थे, गुमनामी बाबा को सुभाष चंद्र बोस माना जाता है।

मांझी, अयोध्या अयोध्या मिल्कीपुर जनपद अयोध्या , विकासखंड मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम में चल रही दो दिवसीय सांसद खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को वालीबाल, खो–खो व कबड्डी के फाइनल मुकाबले खेले गए। मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह व कबड्डी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विकास सिंह ने विजेता उपविजेता टीमों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।मुख्य अतिथि सांसद लल्लू सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी की सोच है कि सांसद खेल प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं भी निखर कर राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करें। उन्होंने कहा कि खेलों से जुड़ने पर जहां एक और आपसी सद्भावना बढ़ती है वहीं विकार भी दूर होते हैं।खेल प्रतियोगिता में वालीबॉल का फाइनल मुकाबला पाकड़पुर व आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के बीच खेला गया। जिसे पाकड़पुर की टीम ने जीता। बालिका वर्ग की कबड्डी का फाइनल मुकाबला कंपोजिट विद्यालय मांझगांव व कंपोजिट विद्यालय खंडासा के मध्य खेला गया। जिसमें कंपोजिट विद्यालय खंडासा की बालिकाओं ने बाजी मारी। बालक वर्ग की कबड्डी का फाइनल मुकाबला चकवारा व पाकड़पुर के बीच खेला गया। वर्षा से बाधित इस खेल में

जनवादी लेखक संघ अयोध्या द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर हुआ कब गोष्ठी का आयोजन

मांझी, अयोध्या अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के पावन धर्म नगरी अयोध्या के फैध्जाबाद मे 23 जनवरी2023 आजादी की लड़ाई के योद्धा और आजाद हिन्द फौज के संस्थापक नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर जनवादी लेखक संघ द्वारा एक परिचर्चा एवं काव्यगोष्ठी का आयोजन जनमोर्चा सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध् यक्षता प्रसिद्ध लेखक एवं विचारक आर. डी. आनन्द ने की। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि नेताजी का व्यक्तित्व और क्रांतिकारी चेतना अनुकरणीय हैं और विशेषकर युवाओं को उनसे अवश्य प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और वरिष्ठ पत्रकार कृष्णप्रताप सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में जनपक्षधरता के प्रति मुखर लोगों की संख्या दिनोंदिन कम होती जा रही है। साहित्य हमेशा से हाशिए के लोगों की आवाज रहा है और कवि–लेखकों को इस मुश्किल समय में प्रतिरोध् ा की संस्कृति को बनाये रखना होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट कवि के रूप में उपस्थित आशाराम जागरथ ने अपनी चर्चित अवधी काव्यकृति 'पाहीमाफी' के अंश सुनाए, जिसमें 'तनहा नीम के पेड़' के प्रतीक के माध्यम से विस्थापन की त्रासदी को उन्होंने अभिव्यक्त किया है। आर.डी. आनन्द ने भी क्रांतिकारी गीत 'बढ़े चलो' का ओजस्वी पाठ किया। युवा कवि प्रदीप कुमार सिंह ने अपनी कविता 'माहौल' में कहा कि 'उसने हत्या का नया तरीका ईजाद किया है, अब वह सीधे–सीधे हत्या का आदेश नहीं देता'। युवा कवयित्री कंचन जायसवाल ने अपनी 'स्थगन' शीर्षक कविता में कहा 'इंतजार प्रेम का स्थगन ही है'। नीरज सिन्हा 'नीर' की पंक्तियां थीं कि 'जब मैं संसद गया तो लगा कि यहाँ साँप ही साँप हैं। ऊष्मा 'सजल' की पंक्तियाँ थीं कि 'गुलों के नाम पर उजड़ा चमन' तो सुनीता पाठक की रचना लाखो लोग जनम लेले पर दूसरा बोस नही होगा। रमण सिंह ने कहा कि 'अपने बच्चों के लिए सदा दामन को फैलाती है माँ'। वरिष्ठ उर्दू शायर सलाम जाफरी ने कलाम पढ़ा कि 'कल क्या था आज है क्या हाल तुम्हारा सलाम'। कार्यक्रम का संचालन कर रहे मशहूर शायर मुजम्मिल फिदा ने कहा कि 'लिखना था जहाँ सुबह वहाँ शाम लिख दिया। कविगोष्ठी में शायर वाहिद अली वाहिद, जयप्रकाश श्रीवास्तव, सुनीता पाठक सहित अन्य कवियों ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। संघ के सदस्य एवं कार्यक्रम संयोजन सत्यभान सिंह जनवादी ने बताया कि इस अवसर पर जनवादी लेखक संघ के संगठन विस्तार पर भी चर्चा की गयी और कवयित्री कंचन जायसवाल, कवि–लेखक अखिलेश सिंह, राधेरमण सिंह एवं जयप्रकाश श्रीवास्तव द्वारा सदस्यता ग्रहण की गयी। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील विचारधारा के कवि–लेखकों का संगठन में स्वागत है और साहित्यिक सक्रियता की यह यात्रा निरंतर चलती रहेगी। जनौस के अध्यक्ष धीरज द्विवेदी ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग किया। इस परिचर्चा गोष्ठी में कमलेश सिंह यादव, आफाक उल्लाह, इरशाद अहमद, शिवध् ार द्विवेदी ,कॉम राम दुलारे यादव,मीना,वाहिद अली,महावीर पाल, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार अजय कुमार मांझी, शिवकुमार तिवारी,सहित बड़ी संख्या में लेखक, कलाकार एवं संस्कृतिकर्मी उपस्थित रहे !

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती, अयोध्या मे यूपी उद्योग व्यापार मंडल, ने धूमधाम से मनाया

मांझी, अयोध्या अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धाम नगरी अयोध्या में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल अयोध्या द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी को नगर निगम प्रांगण में धूमधाम से मनाई गई, नगर निगम स्थित नेताजी की प्रतिमा पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण किया, उसके उपरांत नेता जी के विचारों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कवींद्र साहनी ने की तथा संचालन युवा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष मानव मेहरोत्रा ने किया, कार्यक्रम की जानकारी देते हुए व्यापार मंडल के महामंत्री रमेश चौरसिया ने बताया आयोजित कार्यक्रम में सभी लोगों ने भारत सरकार से नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की, बयान में कहा गया कि हम लोग नेताजी की जयंती मनाते हैं, सरकार यह स्पष्ट करें नेताजी सुभाष चंद्र बोस अभी जीवित है अथवा नहीं, इसके बारे में भारत सरकार को स्थिति स्पष्ट करना चाहिए जिससे देश को उनके बारे में पता चल सके। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ताज मोहम्मद, अरुण साहू, दिग्विजय गर्ग, कविंद्र साहनी, मानव मेहरोत्रा, राजेश यादव ,रमेश चौरसिया, प्रभात अग्रवाल, सौरभ सरीन,पवन सिंह, टुनटुन तिवारी, विंध्या अग्रवाल, विघ्नेश अग्रवाल, एवं और लोगों ने बढ़ चढ़के कार्यक्रम में भाग लिया !

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर अव्यवस्था का शिकार

अयोध्या अयोध्या बीकापुर जनपद अयोध्या ,स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर अव्यवस्था का शिकार'बीकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हड्डी चिकित्सक द्वारा लिखे गए एक्सरे के लिए लोगों को घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है आलम यह है कि कर्मियों ने बताया कि कम से कम 20 दिन हो गए जनरेटर चलाने के लिए डीजल तक उपलब्ध् ा नहीं कराया गया जिससे बिना बिजली आए एक्सरे की व्यवस्था नहीं हो सकती है लोग कतारों में बैठे हैं जिसमें वरिष्ठ पत्रकार भी हैं यही नहीं बीकापुर सीएससी चिकित्सकों तथा कर्मियों द्वारा लापरवाही भी बढ़ती जाती है। जिसकी शिकायत समाजसेवी राहुल दुबे ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से अपने प्रतिनिधि ामंडल के साथ मिलकर की थी किंतु कार्यवाही सिफर रही।

विधायक ने 9 किमी मानव श्रृंखला बनाकर आमजन को यातायात के प्रति जागरूक किया

भारत में प्रतिवर्ष लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गवाँते है। सड़क दुर्घटनाओ पर अंकुश लगाने एवं लोगो को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक करने के लिए आज नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के पावन अवसर पर नगर के गांधी चौक पर मुख्य अतिथि नौतनवा विधायक ऋषि त्रिपाठी ने स्कूली बच्चो के द्वारा 9 किमी मानव श्रृंखला बनाकर लोगो को यातायात के प्रति जागरूक किया।इस अवसर पर विधायक ने बताया कि ष्सड़क पर वाहन के संचालन एवं ट्रैफिक नियमों के सम्बन्ध में जागरूक करने के लिए यह मानव श्रृंखला मील का पत्थर सावित होगा।उपजिलाधि ाकारी नौतनवा दिनेश मिश्रा ने सभी को यातायात नियमो का पालन करने का पाठ पढ़ाया।ब्लाक प्रमुख राकेश मद्धेशिया ने बताया कि ष्सुरक्षित व संयमित यात्रा ही यात्री को मंजिल तक पहुचाने में मददगार होती है।नौतनवा नगर पालिका के नि0 अध् यक्ष गुड्डू खान ने बताया कि ष्आज नगर के छपवा तिराहे से सोनौली तक स्कूली बच्चो द्वारा बनाये गए मानव श्रृंखला लोगो के लिए काफी मददगार सावित होगा।

इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नौतनवा अनुज कुमार सिंह, प्रदीप सिंह,प्रदीप पाण्डेय,दिलीप पाण्डेय, बृजेन्द्र श्रीवास्तव, जनमेजय सिंह, विजय मिश्रा, शनि गोस्वामी,सूरज राय,त्रिपुरारी मिश्रा, अनुज राय आदि लोग उपस्थित रहे।

तीन अन्तर्राष्ट्रीय पदक विजेता शान्या ने स्वनिर्मित पोस्टर से निकाली पर्यावरण संरक्षण रैली

कानपुर देहात विलुप्त होते वन्य जीव , पेड़ पौधे , घटता जल स्तर ,कोयला भण्डार आदि प्राकृ तिक चीजों के संरक्षण हेतु पूरा विश्व चिंतित है प्रकृति वास्तव में ईश्वर का अमूल्य उपहार है इसका संरक्षण करना हमारे संविध् ाान के अनुच्छेद 51 ए की उपध् ाारा 6 से मूल कर्तव्य है उक्त बात नेपाल देश से गांधी पर्यावरण योद्धा सम्मान सहित तीन अन्तर्राष्ट्रीय पदक विजेता एवं भारत सरकार के राष्ट्रीय युवा उत्सव में आदर्श युवा पुरस्कार प्राप्त शान्या ने स्वनिर्मित पर्यावरण पोस्टर से बच्चों को प्रकृति का महत्व समझाते हुए कही

इस अवसर पर एस एस वी एम कालेज की प्रधानाचार्य अर्चना

ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन प्रोजेक्ट टाइगर एवं सिंगल 1 जुलाई से यूज प्लास्टिक पर रोक लगाना प्रकृति संरक्षण का ही हिस्सा है इस साल सरकार ने थीम रखी है वन आजीविका लोगों तथा प्रकृति को बनाए रखना पालीथिन से धरती को बचाना है पालीथिन मुक्ति का थीम है कट डाउन ऑन प्लास्टिक यूज , पालीथिन 200 साल में सढ़ता है और 8 पीढ़ियों से अधिक का जीवन खराब करता है खेतों में पहुंच कर यह वर्षा जल एवं धूप को जमीन में नहीं जाने देता बीज को ढक लेता है उसे उगने नहीं देता नालियों को जाम करके मच्छर जनित बीमारियां डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, चिकनपाक्स,जीका पैदा करता है और इलाज खर्च से गरीबी बढ़ती है

यह रैली शान्या के आवास मंडी समिति रूरा से प्रारम्भ होकर हीरानगर,पावर हाउस होते हुए आलू मिल के पास आकर समाप्त हुई इस अवसर पर शिवम, शिवानी, गोपाल जी, श्याम, आख्या, नंदिनी,पलक, कोमल, प्रियंका, शाक्षी सहित चालीसा से अधिक बच्चे ओजश्वी नारे लगाते हुए चल रहे थे।

थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा 02 नफर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में दिनांक 23.01.2023 को उ0नि0 इंग्लेश तिवारी थाना मोहनगंज मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 05ध्23 धारा 468,471 भादवि, 3ध्5(1) उ0प्र0 विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन अधि0 थाना मोहनगंज जनपद अमेठी में वांछित अभियुक्त 1. अनवर पुत्र मो0 आलम निवासी सिंहपुर मजरे ढोढनपुर थाना मोहनगंज जनपद अमेठी व 2.जाविर पुत्र सब्बीर अली निवासी भदसाना थाना मोहनगंज जनपद अमेठी को राजामऊ पुल के पास से समय करीब 10.10 बजे दिन में गिरफ्तार किया गया । थाना मोहनगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता

1. अनवर पुत्र मो0 आलम निवासी सिंहपुर मजरे ढोढनपुर थाना मोहनगंज जनपद अमेठी ।
2. जाविर पुत्र सब्बीर अली निवासी भदसाना थाना मोहनगंज जनपद अमेठी ।

पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही–

मु0अ0सं0 05ध्23 ध् ाारा 468,471 भादवि,3ध्5(1) उ0प्र0 विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन अधि0 थाना मोहनगंज जनपद अमेठी ।

गिरफ्तार करने वाली टीम–

1. उ0नि0 इंग्लेश तिवारी थाना मोहनगंज जनपद अमेठी ।
2. का0 अनुज सिंह थाना मोहनगंज जनपद अमेठी । 3. का0 अंशुल कुशवाहा थाना मोहनगंज जनपद अमेठी ।

महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी थाना मोहनगंज के प्रयास से 01 वैवाहिक जोड़ा पुन: साथ रहने को हुआ राजी

मिशन शक्ति" नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के तहत आज दिनांक 23.01.2023 को उ0नि0 सुधा वर्मा प्रभारी महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी मोहनगंज मय टीम द्वारा थाना मोहनगंज में पति–पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संबंध में समस्याओं को सुना गया तथा समस्याओं को सुलझाते हुए पति–पत्नी को साथ रहने के लिए समझाया गया । जिसमें 01 वैवाहिक जोड़ा राजी खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गया तथा अमेठी पुलिस को धन्यवाद दिया । अमेठी पुलिस द्वारा उनको आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई ।

सामुदायिक सहभागिता बढाने के उद्देश्य से विकास खण्ड टड़ियावां के प्राथमिक विद्यालय सैंती द्वितीय में हुआ बैठक का आयोजन

राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय के निर्देशानुसार सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने तथा छात्र – छात्राओं के अधिगम स्तर, विद्यालयों में बच्चों के नामांकन, उपस्थिति व ठहराव में वृद्धि एवं अन्य कार्यक्रमों को गति प्रदान किए जाने के उद्देश्य से स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों, नवगठित एस०एम०सी० सदस्यों, स्थानीय प्राधिकारी सदस्यों तथा प्रधानाध्यापक व अध्यापकों की एक बैठक का आयोजन समस्त परिषदीय विद्यालयों में 20 जनवरी से 30 जनवरी 2023 के मध्य होना है। उसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय सैंती द्वितीय विकास खण्ड टड़ियावां में 23 जनवरी को इस बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में विद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष एआरपी टड़ियावां अभिषेक मिश्र के साथ नवगठित एस एम सी सदस्यों एवं विद्यालय स्टॉफ व अभिभावकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। नवगठित एस एम सी सदस्यों का सभी से परिचय कराया गया। इसके बाद बैठक में प्रमुख बिंदुओं डीबीटी, आउट ऑफ स्कूल बच्चे, निपुण भारत मिशन, ऑपरेशन कायाकल्प आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एआरपी अभिषेक मिश्र ने कहा कि समस्त अभिभावक अपने बच्चों को प्रतिदिन समय से विद्यालय अवश्य भेजें। यह विद्यालय जुलाई 2023 तक निपुण विद्यालय बनाने के लिए चयनित किया गया है। यह लक्ष्य तभी पूर्ण हो सकता है जब हम सभी एकजुट होकर कार्य करें। उन्होंने अभिभावकों को प्रेरित करते हुए कहा कि सिर्फ खेतों में खड़ी फसल की ही देखरेख उनको नहीं करनी अपितु विद्यालयों में पढ़ रहे उनके बच्चे फसल से बढ़कर है जो आने वाले समय में उनको सुखद फल देंगे। यह विद्यालय इसी गांव में रहेगा जो कि पूरे गांव की सम्पत्ति है। यदि कोई इसको नुकसान पहुंचाता है तो उसको ऐसा करने से मना करें। विद्यालय प्रधानाध्यापक मयंक मिश्र ने कहा कि हम सभी को विद्यालय निपुण बनाने के लिए मिलकर कार्य करना होगा। निपुण लक्ष्य के बारे में भी उन्होंने समझाते हुए कहा कि यह अभिभावकों को भी कंठस्थ होना चाहिए। विद्यालय स्टाफ से अशोक कुमार, दीपक कुमार, अनुज सिंह, जमालुद्दीन व पूजा ने भी अभिभावकों को गणित किट, बिग बुक व प्रिंट रिच सामग्री के बारे में बताते हुए इसकी उपयोगिता को समझाया। समस्त उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर विद्यालय को शीघ्र निपुण बनाने का संकल्प लिया।

डॉ सुषमा सिंह जी के निवास पर विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर परिचर्चा हुई

आज दिनांक 22–1–23 को डॉ सुषमा सिंह जी के निवास पर विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर परिचर्चा हुई द्य कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रज्ज्वलन व् सामूहिक सरस्वती वंदना से हुई द्य सबसे अहम् मुद्दा था की कोर्ट से आदेश हो जाने के बाद भी सालों तक उस आदेश का पालन क्यों नहीं होता द्य कार्यक्रम की संचालक सीमा त्रिपाठी ने सभा की शुरुवात करते हुए डॉ सुषमा सिंह जी से कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में सभी को बताने का आग्रह किया द्य सुषमा सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया की कोई भी पीड़ित कई सालों तक भटकते हुए न्याय की सीढ़ी तक पहुंच पाता है द्य वो पहले अपनी समस्या परिवार व् रिश्तेदारों से कहता है , जब वहां से निराश होता है तब थाने जाता है वहां काम न बन पाने पर कमिश्नर के पास जाता है द्य कमिश्नर उसके मामले को परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करता है द्य यदि वहां भी नहीं सुलझा तब वो मामला कोर्ट तक जाता है द्य कोर्ट में सालों बाद कोई आदेश पारित होता है ! पर उस आदेश को अमल में आने में इतनी देरी क्यों होती है इसका जिम्मेदार कौन है ?कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ गायत्री सिंह (पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय , छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर) ने सभी मामलों में महत्वपूर्ण सुझाव दिए , व् सभा में आयी हुई एक पीड़ित महिला की समस्या का समाधान करने की जिम्मेदारी भी ली द्य विशिष्ट अतिथि रश्मि श्रीवास्तव (क्षेत्रीय सह संयोजक एनजीओ प्रकोष्ठ बुंदेलखंड क्षेत्र कानपुर भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश) ने कई मुद्दों पर सुझाव दिए व् पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया द्य विशिष्ट अतिथि चंद्र लता मिश्रा जी (खुशबू वेलफेयर सोसायटी) ने भी अपने विचार रखे व् साथ काम करने का आश्वासन दिया !

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पैजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,

क्या बिद्या देवी भंडारी को फिर से नेपाल की राष्ट्रपति बना पाएंगे ओली

नेपाल के सत्ताधारी गठबंधन में सबसे बड़े दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के एक धड़े ने विद्या देवी भंडारी को एक और कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति बनाने की मांग की है। भंडारी का कार्यकाल इस वर्ष मार्च में पूरा हो रहा है। खबरों के मुताबिक यूएमएल नेताओं की राय है कि पिछले कार्यकाल में भंडारी के 'बेहतर' रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें एक और कार्यकाल दिया जा सकता है।

नेपाल में 2015 में लागू हुए नए संविधान के मुताबिक को व्यक्ति पांच साल के दो कार्यकाल तक राष्ट्रपति रह सकता है। पिछले महीने सात पार्टियों के नए गठबंधन ने नेपाल में सरकार बनाई, जिसका नेतृत्व कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेता पुष्प कमल दहल कर रहे हैं। समझा जाता है कि गठबंधन के भीतर सहमति बनी है कि संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के स्पीकर के साथ–साथ राष्ट्रपति का पद भी पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी यूएमएल को मिलेगा। नए राष्ट्रपति का चुनाव फरवरी के मध्य में होने की संभावना है। यूएमएल के एक नेता ने अखबार काठमांडू पोस्ट से बातचीत में बताया– 'अभी नए राष्ट्रपति के बारे में आपचारिक वार्ता नहीं हुई है। लेकिन पार्टी के अंदर कई नेता विद्या देवी भंडारी को एक और कार्यकाल देने की वकालत कर रहे हैं।'

भंडारी अक्तूबर 2015 में राष्ट्रपति बनने के पहले यूएमएल की उपाध्यक्ष थीं। 2017 में आम चुनाव के बाद उन्हें फिर से इस पद के लिए निर्वाचित किया गया। तब 13 मार्च 2018 को उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की शपथ ली। संविधान विशेषज्ञों के एक हिस्से का कहना है कि इस तरह भंडारी दो कार्यकाल तक राष्ट्रपति रह चुकी हैं और अब उन्हें यह पद नहीं दिया जा सकता। जबकि यूएमएल के कुछ नेताओं की दलील है कि पहले कार्यकाल में वे पांच साल तक राष्ट्रपति नहीं रही थीं, इसलिए उनका दो कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

यूएमएल नेताओं का कहना है कि पहले कार्यकाल के समय चुनाव प्रक्रिया अलग थी। तब उनका निर्वाचन प्रतिनिधि सभा के सदस्यों ने किया था। उसके बाद वे दो साल राष्ट्रपति रहीं। फिर राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया बदल दी गई, जिसके तहत एक इलेक्ट्रॉल कॉलेज के जरिए निर्वाचन की प्रणाली व्यवहार में आई। इस तरह से 2018 में भंडारी का चुनाव हुआ। यूएमएल नेताओं का तर्क है कि दो कार्यकाल का नियम नई चुनाव प्रणाली लागू होने के बाद अस्तित्व में आया। इस प्रणाली के तहत भंडारी एक कार्यकाल तक ही राष्ट्रपति रही हैं।

इलेक्ट्रॉल कॉलेज में संघीय संसद के दोनों सदनों के अलावा सभी सातों प्रांतीय असेंबलियों के सदस्य भी शामिल होते हैं। संविधान विशेषज्ञ विपिन आचार्य ने कहा है– 'भंडारी को नया कार्यकाल देने के पक्ष में दो तर्क दिए जा रहे हैं, उन्हें तकनीकी आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन व्यवहार में भंडारी दो बार राष्ट्रपति रह चुकी हैं। इसलिए उन्हें फिर से यह पद देना संवैधानिक भावना का उल्लंघन माना जाएगा।'

यूएमएल के उप महासचिव प्रदीप गयावली ने इस बात की पुष्टि की है कि पार्टी के अंदर भंडारी को फिर से राष्ट्रपति बनाने पर चर्चा हुई है। लेकिन उन्होंने कहा है कि ऐसा होने की संभावना कम है।

रूसी विमान और हथियारों का गृह युद्ध में इस्तेमाल कर रहे हैं सैनिक शासक

म्यांमार में सैनिक शासन विरोधी समूहों पर हो रही हवाई बमबारी में रूस से मिले लड़ाकू विमानों और अन्य हथियारों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। देश के कई अल्पसंख्यक नस्लीय समूह भी ऐसे हमलों का शिकार बन रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हाल के महीनों में म्यांमार की वायु सेना ने रूस मे बने याक–130 जेट विमानों और एमआई–35 हेलीकॉप्टरों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। इनके जरिए सरकार विरोधी गुटों के प्रभाव वाले इलाकों पर बमबारी की गई है, जिसका शिकार कई आम नागरिकों की बस्तियां भी बनी हैं।

मानव अधिकार संगठनों का आरोप है कि सैनिक शासक आम लोगों की बस्तियों को निशाना बना कर 'युद्ध अपराध' कर रहे हैं। इस संगठनों का आरोप है कि रूस इस 'अपराध' में म्यांमार का सहायक बना है। समझा जाता है कि म्यांमार के पास कम से कम 20 याक–130 लड़ाकू विमान हैं। दो सीटों वाले ये विमान वैसे तो पायलटों की ट्रेनिंग के लिए बनाए गए हैं, लेकिन म्यांमार के गृह युद्ध में इनका इस्तेमाल लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते अक्तूबर में अमेरिकी थिंक टैंक जेन्स इन्फॉर्मेशन ग्रुप ने खबर दी थी कि उसे म्यांमार में रूसी हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल होने की सूचना मिली है। ग्रुप ने बताया था कि रूस में बने केमोव केए–29 टीबी हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल उत्तरी सगैन क्षेत्र में सैन्य शासन विरोधी समूहों के खिलाफ किया गया है। पिछले वर्ष म्यांमार ने रूस के कई तरह के हथियार खरीदे। हाल ही में रूस ने उसे सुखोई एसयू–30 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की है, जिनका कई मकसदों से इस्तेमाल किया जा सकता है। बताया जाता है कि उन विमानों के साथ रूस ने अपने प्रशिक्षक और टेक्निशियन भी म्यांमार भेजे। म्यांमार के सैनिक शासन (जिसे स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल यानी एसएसी के नाम से जाना जाता है) ने हाल के महीनों में अपने विरोधी संगठनों पर हमले लगातार तेज किए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन हमलों को जारी रखने के लिए एसएसी पूरी तरह से रूसी सप्लाई पर निर्भर है।

वेबसाइट एशिया टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक एसएसी ने 2022 में रूस से अपने सैनिक संबंधों को खास मजबूती दी। इसका संकेत उसकी विदेश नीति में भी देखने को मिला है। उसने यूक्रेन पर रूस के हमले का खुल कर समर्थन किया है। एसएसी के प्रवक्ता मेजर जनरल जाव मिन तुन ने पिछले वर्ष फरवरी में यूक्रेन पर रूसी सैनिक कार्रवाई शुरू होने के बाद कहा था कि रूस ने अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है। साथ ही उन्होंने कहा था कि इस युद्ध से रूस ने 'विश्व शक्ति' के रूप में अपनी हैसियत की पुष्टि कर दी है।

विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि म्यांमार के सैनिक तानाशाह जनरल मिन आंग हलायंग पिछले दो वर्षों के अंदर तीन बार रूस की यात्रा कर चुके हैं। जनरल मिन ने एक फरवरी 2021 को निर्वाचित शासन का तख्ता पलट कर म्यांमार की सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। उसके बाद उन्होंने रूस से संबंध मजबूत किए, जिससे मिली मदद का इस्तेमाल वे सैन्य शासन विरोधी संघर्ष को दबाने में कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया में मानवाधिकार पर अमेरिका का नया कदम,

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जूली टर्नर को उत्तर कोरिया में मानवाधिकार मुद्दों पर विशेष दूत नामित किया है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को एक बयान में इसकी घोषणा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2017 के बाद पहली बार इस पद पर किसी की नियुक्ति की गई है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि जूली टर्नर वर्तमान में अमेरिकी विदेश विभाग में लोकतंत्र, मानवाधिकार और श्रम ब्यूरो में पूर्वी एशिया और प्रशांत कार्यालय की निदेशक हैं। अब उन्हें उत्तर कोरिया में मानवाधिकार के मुद्दे पर विशेष दूत के रूप में नामित किया गया है।

बयान में कहा गया है कि टर्नर कोरियाई भाषा बोल लेती हैं और पूर्वी एशिया एवं प्रशांत कार्यालय में 16 से अधिक वर्षों तक काम किया है। उनका कार्य मुख्य रूप से उत्तर कोरिया में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित है। जिसमें उत्तर कोरिया में मानवाधिकार मुद्दों पर विशेष दूत के कार्यालय में विशेष सहायक के रूप में उनका दौरा भी शामिल है।

वर्ष 2022 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति ने मानव अधिकारों के उल्लंघन के लिए उत्तर कोरिया की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। साथ ही उत्तर कोरिया में मानवाधिकारों की स्थिति पर एक मसौदा प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया था। यूरोपीय संघ के देशों के इस प्रस्ताव में उत्तर कोरिया में विदेशी नागरिकों की अवैध हिरासत, यातना और फांसी पर चिंता जताई गई थी। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरिया के राजदूत किम सोंग ने अपने देश की छवि खराब करने की राजनीतिक साजिश करार देते हुए इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

व्हाइट हाउस के बयान ने कर दी बोलती बंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के रिलीज होने के बाद से ही विवाद खड़ा हो गया है। इसको लेकर अब अमेरिका ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस से सोमवार को जब पाकिस्तान के एक पत्रकार ने इस बारे में सवाल किया तो उन्होंने श्लोकतंत्रश का जिक्र करते हुए रिपोर्टर की बोलती बंद कर दी। उन्होंने जवाब में कहा– श्मैं बीबीसी डॉक्यूमेंट्री से जुड़े वृतांत से परिचित नहीं हूं। हालांकि, मैं उन साझा मूल्यों से बहुत परिचित हूं जो अमेरिका और भारत को दो संपन्न और जीवंत लोकतंत्रों के बीच हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, प्राइस ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि ऐसे कई चीजें हैं जो भारत के साथ अमेरिका की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हैं जिसमें राजनीतिक, आर्थिक और असाधारण रूप से गहरे लोगों के बीच संबंध शामिल हैं।

भारत अमेरिका के संबंध गहरे इस दौरान नेड प्राइस ने अमेरिका और भारत के बीच राजनयिक संबंधों को रेखांकित किया और भारत के लोकतंत्र को एक जीवंत बताते हुए उन्होंने कहा कि हम हर उस चीज को देखते हैं जो हमें एक साथ जोड़ती है, और हम उन सभी तत्वों को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं जो हमें एक साथ बांधते हैं। उन्होंने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि अमेरिका भारत के साथ जो साझेदारी साझा करता है वह असाधारण रूप से गहरी है और दोनों राष्ट्र उन मूल्यों को साझा करते हैं जो अमेरिकी लोकतंत्र और भारतीय लोकतंत्र के लिए सामान्य हैं।

ऋषि सुनक ने किया पीएम मोदी का बचाव

पिछले हफ्ते, यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बचाव किया और बीबीसी वृत्तचित्र श्रृंखला से खुद को दूर कर लिया, यह कहते हुए कि वह अपने भारतीय समकक्ष के चरित्र चित्रण से सहमत नहीं हैं। सुनक ने ये टिप्पणी पाकिस्तान मूल के सांसद इमरान हुसैन द्वारा ब्रिटिश संसद में उठाए गए विवादित डॉक्युमेंट्री पर की।

दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता की मांग

नेड प्राइस ने कहा कि हमने लंबे समय से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता की मांग की है। भारत और पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध अपने दम पर खड़े हैं और हम उन्हें शून्य योग के रूप में नहीं देखते हैं। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी वार्ता की गति, गुंजाइश और चरित्र दो देशों का मामला है।

शरीफ ने जताई थी भारत से बातचीत की इच्छा

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात के एक मीडिया संस्थान को दिए इंटरव्यू में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने भारत के साथ बातचीत की इच्छा जताई थी। हालांकि, बाद में वहां के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि कश्मीर में भारत के 2019 के कदमों को वापस लिए बिना वार्ता संभव नहीं है। शरीफ की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए भारत ने कहा कि वह हमेशा पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है लेकिन इस तरह के संबंधों के लिए आतंक और हिंसा से मुक्त माहौल होना चाहिए। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है और इस बात पर जोर देता रहा है कि इस तरह की भागीदारी के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद पर है।

बेसहारा गोवंश की नहीं हो रही देखभाल

कन्नौज। आवारा अन्ना पशु के साथ बड़ी लापरवाही देखने को मिल रही है। ग्राम प्रधान व सचिव दोनों मिलकर सरकार की व्यवस्थाओं पर धूल झोंकने का काम कर रहे हैं। जहां शासन द्वारा आवारा घूम रहे गोवंश को स्थाई गौशालाओं में छोड़ने की बात कही थी। सरकार की मंशा पर पानी फेरते दिखाई दे रहे हैं। आवारा गोवंश सड़कों पर व खेतों मे घूम रहे हैं। खुले आसमान के नीचे बैठकर अपना गुजर–बसर कर रहे हैं। आवारा गोवंश की दशा दयनीय हो रही है। जिम्मेदार आला अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम पंचायत टिकरी कलशान मे गौशाला थी। गौशाला ना होने से गोवंश आवारा घूम रहे हैं। भूख प्यास से वही आवारा अन्ना पशु दम तोड़ते देखे जा सकते हैं। तस्वीरों में साफ देख सकते हैं किस तरह गोवंश सड़क किनारे भूख प्यास से तड़प रहे हैं। कहीं ना कहीं लापरवाही का आलम अंधेर छाया हुआ है।

जयंती पर याद किए गए नेता जी सुभाष चन्द्र बोस,कार्यक्रम आयोजित

कन्नौज। सोमवार को गुगरापुर ब्लॉक क्षेत्र के रघुराज नगर चांदापुर स्थित अविका डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तहत नेता जी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर याद कर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ पल्लवी यादव ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। अंशिका पाल नेता जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर जीवनी पर प्रकाश डाला।

इस दौरान अंशिका पाल ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 में उड़ीसा के कटक में हुआ था। इनके पिता जानकीनाथ बोस माता प्रभाती देवी के 14 संतानों में से यह नौवीं संतान थे। सुभाष चंद्र बोस को देश भक्ति विरासत में मिली थी। क्योंकि इनके पिता कांग्रेस अधिवेशन में जाया करते थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजो के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया उनके द्वारा दिया गया। जय हिंद का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गण समेत आदि मौजूद रहे।

क्रांतिकारी के जन्म दिवस पर जागरूकता रैली

कन्नौज। इंदरगढ़ के सरदार पटेल इंटर कॉलेज कचाटीपुर में नेता सुभाष चंद्र बोस का जन्मदिवास पूरे हर्षोल्लास के साथ श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए मनाया गया स विद्यालय के प्रधानाचार्य अमर सिंह चौहान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है स सुभाष चंद्र बोस क्रांतिकारी थे। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए छात्र–छात्राओं को जानकारी दी । इस अवसर पर छात्रों को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के तहत शपथ ग्रहण करवाई गई ससभी छात्रों तथा अध्यापकों ने मानव श्रृंखला बनाकर क्षेत्र की जनता को जागरूक करते हुए रैली निकालीस प्रधानाचार्य ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना कियास इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रताप सिंह ओमनारायण सिंह , योगेश सिंह ,विजेंद्र कमलधीरेंद्र कुमार झा ,उदय प्रताप सिंह अनिल सिंह राजेश अवस्थी ,राकेश श्रीवास्तव अवधेश सिंह सुनील कुमार रघुवीर उपस्थित रहे ।

ककरैया में सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण को राजस्व टीम ने गिरवाया

सौरिख। एसडीएम के आदेश पर ग्राम सभा की बंजर जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण को राजेश टीम ने बुलडोजर चलवा कर गिरवा दिया।विकासखंड के ग्राम पंचायत रूर के ककरैया में गांव निवासी प्रबल प्रताप पुत्र सुरेंद्र सिंह द्वारा बंजर की जमीन पर अवैध निर्माण कराया जा रहा था। ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम अशोक कुमार के आदेश पर रविवार को राजस्व निरीक्षक राकेश बाबू, लेखपाल राकेश वर्मा, जितेंद्र सिंह, अमित कुमार, ने पहुंचकर हो रहे अवैध निर्माण को बुलडोजर चलवा कर गिरवा दिया। राजस्व निरीक्षक ने बताया कि गाटा संख्या 132 राजस्व अभिलेखों में बंजर भूमि में अंकित है। जिस पर प्रबल प्रताप द्वारा अवैध निर्माण कर मार्केट का निर्माण कराया जा रहा था। जिसे उच्च अधिकारियों के निर्देश पर गिरवा दिया गया।

बिजनौर में डीआईजी के आने से पहले चोरों की दस्तक

झालू द्य नगर मे डीआईजी के एक दिन आने से पहले चोरों ने विद्युत विभाग की 33 हजार केवी की मैन लाईन का 1800 मीटर तार चोरी करके कस्बे सहित आसपास के लगभग एक दर्जन गांव की विद्युत व्यवस्था फेल कर दी , जिससे पुलिस महकमे व बिजली विभाग मे हड़कंप मच गया । चोरी की सूचना पर पुलिस चौकी प्रभारी सुमित राठी ने घटनास्थल का मुआयना किया तथा शीघ्र ही चोरों के पता लगाने के संकेत दिएद्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार झालू बिजनौर रोड स्थित महर्षी वाले बाग से शनिवार की देर रात्रि लगभग दस बजे नगर के 33द्11 उपखंड झालू की मेन 33हजार केवी की चलती विद्युत लाइन से अज्ञात चोरों ने 1800 मीटर तार चोरी कर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली । जिससे पुलिस महकमे व विद्युत विभाग मे हड़कंप मचा हुआ है । विद्युत तार चोरी होने से कस्बे सहित क्षेत्र के लगभग एक दर्जन गांव खारी गौसपुर गंगोडा मिलक,गंगोडा जट, सिहोरा गिरधार, करौंदी, रसूलपुर आबाद, रामपुर, मोजीपुर ,गोपालपुर, सुमाल खेड़ी, त्रिलोकपुर आदि गांव की विद्युत सप्लाई बंद होने से आम जनमानस परेशान है जो बिजली ना आने के कारण जानने के लिए बिजली घर पर चक्कर काट रहे हैं लाइनमैन लाइन में कार्य होने बताकर पीछे छुड़ा रहे हैं । वही एक विद्युत कर्मी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि चोरों ने रात लगभग 10रू00 बजे के करीब महर्षी वाले बाग में 33हजार केवी की चलती लाइन से आधा दर्जन खंभों से 1800 मीटर तार चोरी कर लिया द्य चोरी की सूचना पेट्रोलिंग टीम को पता चलते ही टीम कर्मियों ने अधिकारियों को अवगत करा दिया वही बाग में तैनात कर्मचारी शेर सिंह ने विद्युत तार चोरी होने की सूचना बाग स्वामी को दी बाग स्वामी प्रशांत ने स्थानीय पुलिस को सूचित किया चोरी की सूचना पाते हैं चौकी प्रभारी सुमित राठी ने घटनास्थल का मुआयना किया । वहीं सूत्रों का कहना है कि घटनास्थल पर पुलिस को कुछ सुरग हाथ लगे है । जिससे चोरों तक पहुंचने में पुलिस को मदद मिल सकती है ।

उपखंड विद्युत केंद्र झालू प्रभारी अमर नाथ सिंह रौनियार ने बताया कि आने वाली मेन सप्लाई 33000 के 6 पोल से लगभग 18 सौ मीटर तार चोरी हो गया है जिसकी रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है सप्लाई जल्दी चालू कर दीजाएगी ।

अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड द्वितीय ने तार चोरी घटना पर अफसोस जाहिर करते हुए बताया चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है जल्दी चोर का पता चल जाएगा सप्लाई शुरू कराई जा रही है । काम तेजी के साथ चल रहा है ।

तार चोरी होने से चर्चाओं का बाजार गर्म

पहले भी हो चुका है 40 खंबो का तार चोरी

नगर की मेन लाइन से चलती 33 केवी विद्युत लाइन का तार चोरी होने से तरह –तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

वही नगर के सभ्रांत नागरिकों का कहना है कि कुछ समय पूर्व झालू को छाछरी मोड़ से जोड़ने के लिए विद्युत लाइन बिछाई गई थी। लेकिन नगरवासियों व किसानों के विरोध के बाद लाइन शुरू नहीं हुई थी। उसके कुछ समय बाद ही विद्युत लाइन के लगभग 40 खंभों का तार चोरी हो गया है। जिसका आज तक पता नहीं चल पाया।

घनजीवामृत जीवामृत से होगा मृदा उर्वरता में सुधार नोडल अधिकारी डॉ बिनोद कुमार

कन्नौज। कृषि विज्ञान केंद्र अनौगी पर दो दिवसीय प्राकृतिक खेती विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ अरविंद कुमार के अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र कन्नौज में दो दिवसीय गौ आधारित प्राकृतिक खेती कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डा अरविंद कुमार ने मृदा स्वास्थ्य, फसल जल प्रबंधन, मृदा जल धारण क्षमता, मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की बारीकियों के बारे में अवगत कराया। प्रशिक्षण में जनपद के दुरस्त विकास खंड हसेरन , सौरिख , छिबरामऊ आदि से आए तीन दर्जन से ज्यादा किसानों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षित किया गया। प्राकृतिक खेती के नोडल अधिकारी तथा मास्टर ट्रेनर व कृषि विज्ञान केंद्र के शस्य वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार ने प्राकृतिक खेती के सभी पहलूओ जैसे बीजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत, नीमाश्त्र, ब्रह्मास्त्र इत्यादि आदानों को तैयार करने के गुर सिखाए। इस दौरान चंद्रकला यादव ने मोटे अनाजों से खाद्य उत्पाद तैयार करने की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ पशुपालन वैज्ञानिक डॉ चंद्रकेश राय ने गोबर और गोमूत्र की प्राकृतिक खेती में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। वहीं वरिष्ठ वैज्ञानिक उद्यान डॉ अमर सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रसार डॉ सुशील कुमार, डॉ चंद्रकला यादव वैज्ञानिक गृह विज्ञान, वैज्ञानिक कृषि मौसम विज्ञान अमरेंद्र यादव सहित प्रदीप कटियार, अमित प्रताप सिंह इत्यादि मौजूद रहे। इस दौरान प्राकृतिक खेती कृषक गीतेंद्र सिंह, राहुल सिंह, सर्वदीप सिंह, प्रतिभा देवी आदि उपस्थित रहे।

शव यात्रा में जाने वाले ट्रैक्टरों के चालान के विरोध में सपाइयों ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

कन्नौज ।पूर्व ब्लाक प्रमुख और समाजवादी नेता की अगुवाई में दर्जनों सपाइयों द्वारा अंतिम संस्कार शव यात्रा में जाने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों के हो रहे चालान के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी से संबोधित अतिरिक्त उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा । पूर्व ब्लाक प्रमुख नवाब सिंह यादव की अगुवाई में अंतिम संस्कार शव यात्रा में जाने वाले ट्रैक्टर ट्राली के हो रहे चालान के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर दर्जनों सपाइयों द्वारा धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ला को संबोधित अतिरिक्त उप जिला अधिकारी अतिरिक्त उप जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। वही प्रदर्शन करते हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख समाजवादी नेता ने कहा एक तरफ सनातन धर्म की दुहाई देकर सत्ता पाने वाले लोग आज सत्ता के मध्य में इतने चूर हैं कि हिंदुओं के अंतिम संस्कार में जाने वाले ट्रैक्टर ट्रालीयों को अवैध करार देते हुए द50000 से लेकर द100000 का चालान कर रही है । अब हिंदू समाज के लोग अपनों के अंतिम संस्कार में नहीं जा सकते । हम समाजवादी लोग प्रदेश सरकार से मांग करते हैं कि प्रत्येक गांव में अंतिम संस्कार के लिए उचित व्यवस्थाएं की जाएं या सनातन धर्म के खिलाफ लगाए गए इस अवैध कानून को वापस लेद्य ।साथ ही अंतिम संस्कार पंजीकरण की फीस भी कम करें। धरना प्रदर्शन में प्रमुख रूप से संजय दुबे , इंद्रेश यादव , संजू कटियार , अमित मिश्रा , सुरेंद्र कुशवाहा , कल्लू शर्मा , इंतजार अहमद मुदस्सर , रामवीर कठेरिया , धर्मपाल , मंसूर खान , राकेश कठेरिया , पप्पन वाजपेई , अनिल मिश्रा , अमन मेहरोत्रा , जीतू यादव , रमेश ,दीपक यादव ,आफाक , आसिफ सिद्दीकी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

डीएम के आदेश पर अनाथ बच्चों को किए गए लैपटॉप वितरित

बिजनौर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञानेश्वर तिवारी द्वारा आज विकास भवन के प्रांगण में महिला एवं बाल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं के प्रयोग के लिए प्रति दो–दो साइकिलें अर्थात कुल 24 साइकिलें वितरित की गईं। इसके अलावा परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञानेश्वर तिवारी द्वारा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत कॉविड काल में अनाथ हुए कक्षा 9 तथा उससे उच्च स्तरीय शिक्षा में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं को 31 लैपटॉप वितरित किए गए। उन्होंने लैपटॉप प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को आशीष प्रदान करते हुए आशा व्यक्त की कि वे लैपटॉप के जरिए अपने शैक्षिक स्तर को बढ़ाएंगे और अपने भविष्य को उज्जवल बनाने में इसका सदुपयोग करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार कोविड कॉल में अनाथ हुए बच्चों की समुचित विकास एवं शिक्षा के प्रति संवेदनशील एवं गंभीर है तथा महिला सशक्तिकरण के लिए भी प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर उन्होंने यह भी बताया कि विकास भवन में स्थापित बिजनौर के उद्योग बंधुओं एवं निवेशकों के लिए एकल खिड़की सिस्टम की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि खिड़की पर उद्योग बंधु की समस्याओं के निवारण तथा उद्योगों की स्थापना के लिए सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा तथा इस उद्यमिता के क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का त्वरित गति से निस्तारण भी किया जाएगा। उन्होंने एकल खिड़की व्यवस्था को जिले में निवेश करने वाले उद्यमियों को जानकारी देते हुए कहा कि एकल खिड़की व्यवस्था से उनको किसी भी स्तर पर आने वाली समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि उनको विभिन्न विभागों में उद्योगों की स्थापना के लिए की जाने वाली आवश्यक कार्यवाही से मुक्ति प्राप्त हो सके और उनका समय भी बच सकें।

इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी नागेन्द्र मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जयकरण यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

नकाब पोश लुटेरों ने सराफा व्यापारी का झोला छीना

कन्नौज । सदर कोतवाली क्षेत्र की चौकी जलालपुरपनवारा के गांव सतवारी निवासी विद्यासागर गुप्ता की जसोदा में तिर्वा रोड पर सराफे की दुकान हैं। देर शाम करीब सात बजे वह दुकान बंद कर घर जा रहे थे। तभी हाइवे से गांव जाने बाली सड़क पर तीन नकाव पोश लुटेरों ने मार पीट कर जेवरात का झोला छीन कर नकाबपोश भाग गए। पीड़ित विद्यासागर ने बताया की एक नकाब पोश बाइक पर बैठा था। दो थोड़ा दूर खड़े थे । बाइक वाले ने रोका तब तक खड़े नकावपोश भी आ गए । उन्होंने मुख दवा लिया । एक ने लात मार कर गिरा दिया। हाइवे चल हाइवे चल कहते हुए भाग गए। झोले में आठ लाख रु के सोने चांदी के जेवरात थे। गुगरापुर ब्लॉक प्रमुख संदीप चतुर्वेदी ने बताया की लूट की जानकारी होने पर जव सीओ सिटी से बात की उन्होंने कहा की पहले तहरीर दिलबा दो इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की । उन्होंने कहा की पुलिस की निष्क्रियता से लूट हुई हैं । जानकारी होने पर चौकी इंचार्ज सुभाष चंद्र घटना स्थल पर पहुंचे। लूटपाट की घटना को अंजाम देने वालों का खुलासा जल्द करने की बात कही।

धर्म ग्रंथों और धर्म की आलोचना राजनैतिक दल के नेता सहित किसी को भी शोभा नहीं देता - भाजपा मिडिया प्रभारी बाल्मिकी उपाध्याय

अंबेडकर नगर झ भारत देश की खूबशूरती सभी धर्मों और उनके अनुयायियों के आस्था की मान सम्मान से है।धर्म ग्रंथों और धर्म की आलोचना राजनैतिक दल के नेता सहित किसी को भी शोभा नहीं देता है। उपरोक्त विचार भाजपा जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय ने समाज वादी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा राम चरित मानस के विषय में दिए गए आपत्ति जनक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए व्यक्त किया।मीडिया प्रभारी ने कहा है कि राम चरित मानस हिन्दू समाज की आस्था और मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम चंद्र जी की समाज को दिखाए गए सामाजिक न्याय और व्यवस्था को दर्शाता है।जिसकी आलोचना करना हिंदू समाज के साथ साथ सम्पूर्ण सनातन धर्म का विरोध है।भगवान राम समाज के हर जाति के कल्याण और उनके उत्थान और राक्षसी प्रवित्ति की नाश के लिए ही पृथ्वी पर अवतरित हुए थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम चंद्र जी की उत्तम चरित्र का ही वर्णन राम चरित मानस में किया है।जिसे सम्पूर्ण हिंदू समाज आदर्श के रूप में सदियों से मानता आया है।मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय ने कहा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य का बयान समाजवादी पार्टी की हिंदू समाज के प्रति घृणा और विरोध का परिचय है।उनकी बयान ने समाज वादी पार्टी की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति का प्रदर्शन कर दिया है।भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ने कहा है कि घृणित मानसिकता के समाज वादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता है।

झुग्गी झोपड़ी

सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित

सम्पादक संजय कुमार यादव

RNI No.: UPHIN/2015/63182

दूरभष : 0532–2618074

मोबाईल : 9918366626

डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com

Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा